UPHIN/2009/27457

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

4 बिलकुल उचित है योगी सरकार का...

5 मरीज को ठेले पर लेकर अस्पताल...

6 पौधरोपण संबंधी तैयारियां समय से...

● वर्ष : 08 ● अंक : 52 ● लखनऊ, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

जरूर देंगे शरण: दीदी

बांग्लादेश में संकट में फंसे लोगों की मदद को आगे आईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि वह पड़ोसी देश में संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें शरण देंगी। बनर्जी ने संभावित मानवीय संकट पर अपने रुख को न्यायोचित ठहराने के लिए शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का हवाला दिया। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में कहा, मुझे बांग्लादेश के मामलों पर नहीं बोलना चाहिए क्योंकि वह एक संप्रभु राष्ट्र है और इस मुद्दे पर जो कुछ भी कहा जाना चाहिए वह केंद्र का विषय है। लेकिन मैं आपको यह बता सकती हूं कि यदि संकट में फंसे लोग बंगाल के दरवाजे खटखटाएंगे तो हम उन्हें शरण जरूर देंगे।

ममता बनर्जी ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि अशांत क्षेत्रों के आसपास के क्षेत्रों में शरणार्थियों को समायोजित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का एक प्रस्ताव है। उन्होंने बंगाल के उन निवासियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया जिनके रिश्तेदार अंतरराष्ट्रीय सीमा के पूर्वी हिस्से में बढ़ती हिंसा के कारण फंस गए हैं। उन्होंने उन बांग्लादेशियों को भी सहायता प्रदान करने की बात कही जो बंगाल आए थे, लेकिन घर लौटने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के लोगों से बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति से संबंधित मामलों पर उत्तेजित न होने की भी अपील की। उन्होंने कहा, हमें संयम

बरतना चाहिए और इस मुद्दे पर किसी भी उकसावे या उत्तेजना में नहीं आना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने पड़ोसी देश में जारी हिंसा का शिकार बने लोगों के साथ अपनी एकजुटता भी व्यक्त की। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कई दिन से प्रदर्शन हो रहे हैं और हालात बिगड़ने पर शनिवार को पूरे देश में सख्त कर्फ्यू लगा दिया गया। सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की।

> *मुझे बांग्लादेश के मामलों पर नहीं बोलना चाहिए क्योंकि वह एक संप्रभु राष्ट्र है और इस मुद्दे पर जो कुछ भी कहा जाना चाहिए वह केंद्र का विषय है। लेकिन मैं आपको यह बता सकती हूं कि यदि संकट में फंसे लोग बंगाल के दरवाजे खटखटाएंगे तो हम उन्हें शरण जरूर देंगे।*
>
> **ममता बनर्जी**

शीर्ष अदालत ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण घटाया

बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया। नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था। सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए थे। उच्चतम न्यायालय ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं।

आंध्र-बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध में सर्वदलीय बैठक हुई। यह बैठक संसद की कार्यवाही के लिए सहमति बनाने के मुद्दे पर हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा समेत कई पार्टियों के नेता मौजूद रहे। बैठक में चिराग पासवान और कांग्रेस से प्रमोद तिवारी और गौरव गोगोई भी शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने बताया कि टीडीपी नेता इस मामले पर चुप रहे। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष का पद की मांग की और साथ ही नीट का मुद्दा भी उठाया। जयराम रमेश ने ये भी दावा किया कि जदयू ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। सत्तारूढ़ एनडीए में एक प्रमुख सहयोगी जेडी(यू) ने हाल ही में बिहार के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा या पैकेज की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। राजद सांसद ने संसद में विपक्षी सांसदों को भी बोलने की मंजूरी देने की अपील की।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नीट-यूजी का मुद्दा उठाया। साथ ही ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नामपट्टिकाओं का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस ने सरकार को घेरा

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बैसाखियों पर टिकी है और संविधान, उसके मूल्यों और परंपराओं की हत्या कर रही है। जिस तरह से संविधान निर्माता बी.आर. अंबेडकर और महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को यहां से हटाया गया है, जिस तरह से संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

10 वर्षों से संसद में ठीक से काम नहीं हुआ

सीपीआई-एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि संसद को ठीक से काम करना चाहिए और बहस और चर्चा होनी चाहिए, जो पिछले 10 वर्षों से नहीं हो रही है। हम चाहते हैं कि सरकार जमीनी हकीकत को समझे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा में कांवड़ रूट पर दुकानदारों के नामों को लिखे जाने का मामला

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कांवड़ रूट पर पड़ने वाली दुकानों पर दुकानदारों के नाम लिखे जाने वाला मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कोर्ट में याचिका दायर कर उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश को चुनौती दी गई है। कोर्ट सोमवार को इस मामले में सुनवाई करेगा। उल्लेखनीय है कि यूपी सरकार ने पिछले दिनों आदेश दिया था, जिसमें कांवड़ रूट पर पड़ने वाले भोजनालय समेत अन्य सभी दुकानों के बाहर दुकानदारों के नामों का लिखा जाना अनिवार्य कर दिया गया। इस फैसला का खुद बीजेपी के सहयोगी दलों ने विरोध किया है।

जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सोमवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। याचिका को एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नामक एनजीओ ने दायर किया है। सबसे पहले मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर जैसे जिलों में पुलिस प्रशासन ने दुकानदारों को निर्देश दिया था, जिसके बाद यूपी सरकार ने इस बाबत आदेश भी जारी किया। इसके बाद से ही विवाद शुरू हो गया। एनडीए में शामिल जेडीयू, आरएलडी जैसे दलों ने यूपी सरकार से ऑर्डर वापस लेने की मांग की है। वहीं, अखिलेश यादव, मायावती, प्रियंका गांधी आदि विपक्षी दलों के नेताओं ने भी आदेश का विरोध किया है।

24 घंटे बंद रहेगी इंटरनेट सेवा

बृजमंडल यात्रा से पहले नूंह प्रशासन का बड़ा फैसला

एजेंसी

नूंह। हरियाणा के नूंह प्रशासन ने इलाके में 24 घंटे तक इंटरनेट सेवा बंद रखने का फैसला किया है। इसकी वजह भी सामने आई है। पिछले साल बृजमंडल यात्रा के दौरान यहां हिंसा हो गई थी। सोमवार को एक बार फिर से यह यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान एहतियात के तौर पर प्रशासन ने इलाके में 24 घंटों के लिए इंटरनेट सेवा बंद रखने का फैसला लिया है। इस दौरान यात्रा के रूट और नूंह के कई इलाकों में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

बीते साल नूंह में बृजमंडल यात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई थी। इस हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा में कई कारों सहित बाइक को भी जला दिया गया था।

कब से कब तक बंद रहेगी सेवा

हरियाणा गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक नूंह में रविवार शाम 6 बजे से सोमवार शाम 6 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। प्रशासन के आदेश के मुताबिक इस दौरान ज्यादा संख्या में मैसेज भेजने पर भी पाबंदी रहेगी। हालांकि, कॉलिंग की सुविधा पर किसी तरह की पाबंदी नहीं रहेगी। इस आदेश का नोटिस सभी टेलीकॉम और इंटरनेट प्रदान करने वाली कंपनियों को भेज दिया गया है। अब इलाके में रविवार 6 बजे से लेकर सोमवार को 6 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी।

क्या कुर्ते पर भी नाम लिखवा लें?: जयंत

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्गों पर मौजूद दुकानों के सामने नेमप्ले लगाने के आदेश से विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार अपने सहयोगी दलों के ही निशाने पर आ गई है। एनडीए में शामिल आरएलडी के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने नेमप्लेट वाले फैसले को लेकर रविवार को अपना विरोध जताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या अब कुर्ते पर भी नाम लिखवा लें? जयंत ने कहा, %कांवड़ यात्री जाति और धर्म देखकर किसी

दुकान पर सेवा नहीं लेता है। इस मुद्दे को धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि ज्यादा समझकर फैसला नहीं लिया गया है। अब फैसला हो गया तो सरकार उस पर टिकी हुई है। सरकार में कभी-कभी ऐसा हो जाता है। मगर, अभी समय है और सरकार को फैसला वापस ले लेना चाहिए।

भारी पड़ेगी हिरासत में लेने के नियमों की अनदेखी

संवाददाता

लखनऊ। नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद अब हिरासत में लेने की तय प्रक्रिया की अनदेखी भारी पड़ेगी। प्रदेश में पुलिस हिरासत में उत्पीड़न और मौत की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए डीजीपी मुख्यालय भी नए आपराधिक कानूनों का सख्ती से पालन कराने में जुटा है। इसके तहत हिरासत में पूछताछ को लेकर अलग से दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं।

नए कानूनों में शक्तियों का दुरुपयोग रोकने के लिए नए सुरक्षा उपायों को शामिल किया गया है। इसके तहत तलाशी और जब्ती अभियानों की आडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग का नया प्रावधान जोड़ा गया है। माना जाता है कि यह प्रावधान जहां पुलिस की जवाबदेही बढ़ाता है, वहीं दूसरी तरफ व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा भी करता है। पुलिस ज्यादती पर रोक लगाने के लिए नए कानूनों में गिरफ्तारी की अनिवार्य रिकॉर्डिंग और साक्ष्य एकत्र किए जाने का प्रावधान किया गया है। नए बदलावों के बाद हाल ही में डीजीपी मुख्यालय ने दिशा-निर्देश जारी कर स्पष्ट किया है कि प्रत्येक पूछताछ थाना प्रभारी द्वारा स्वयं अथवा उनके द्वारा नामित इंस्पेक्टर या सब इंस्पेक्टर द्वारा ही की जाए और इसका विवरण पूछताछ रजिस्टर में दर्ज किया जाए। साथ ही हिदायत दी कि थानों पर किसी अभियुक्त या व्यक्ति से पूछताछ में मनोवैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग किया जाए।

> हिरासत में उत्पीड़न पर अंकुश लगाने को अपनाया सख्त रुख

> नए आपराधिक कानूनों का सख्ती से कराया जाएगा पालन

जीएसटी नंबर के बिना कारोबारियों के टर्नओवर की होगी जांच

> जांच में देखा जाएगा कि ऐसे कितने व्यापारी कर रहे हैं कारोबार

संवाददाता

लखनऊ। राज्य कर विभाग जीएसटी नंबर के बिना कारोबार करने वाले व्यापारियों के टर्नओवर की जांच कराने जा रहा है।

यह पता लगाया जाएगा कि ऐसा तो नहीं बिना नंबर लिए व्यापारी मोटी कमाई कर रहे हैं और टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं। यह भी देखा जाएगा कि ऐसा तो नहीं एक ही नंबर पर कई कारोबारी काम करके सरकारी खजाने को चूना लगा रहे हैं। इसके लिए औचक रूप से कुछ चुनिंदा बड़े कारोबारियों के टर्नओवर की जांच कराई जाएगी। इस तरह का अभियान चलाने के लिए उच्च स्तर पर सहमति बन गई है। इसके लिए जोनवार अभियान चलाने के निर्देश जल्द ही दिए जाएंगे।

वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) में सालाना 40 लाख रुपये का टर्नओवर होने पर पंजीकरण कराते हुए नंबर लेना अनिवार्य है। प्रदेश में 26.80 लाख व्यापारियों ने जीएसटी में अपना पंजीकरण करा रखा है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान राज्य कर विभाग को निर्देश दिया है कि व्यापारियों का पंजीकरण बढ़ाया जाए। राज्य कर विभाग इसके आधार पर ही व्यापारियों का पंजीकरण बढ़ाने का अभियान समय-समय पर चलाता रहता है।

30 लोगों से भरी पिकअप गड्ढे में गिरी, 3 महिलाओं की मौत

संवाददाता

फर्रूखाबाद। फर्रूखाबाद में रविवार को चालक की झपकी यात्रियों के लिए काल बन गई। अनियंत्रित पिकअप पांच फिट गहरे गड्ढे में जा गिरी, हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई व 27 लोग घायल हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से वाहन के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी को सैफई स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सैफई थाना क्षेत्र के भालासैय्या गांव निवासी विनोद कुमार की एक महीने पहले बीमारी से मौत हो गई थी। उनकी अस्थियां विसर्जन करने परिवार के लोग शनिवार रात को पिकअप से पांचालघाट गए थे। अस्थि विसर्जन करने के बाद रविवार सुबह सभी लोग वापस घर लौट रहे थे। पिकअप में 30 लोग सवार थे, जिसमें 13 महिलाएं, 15 पुरुष और 2 बच्चे थे। अभी गाड़ी छिबरामऊ रोड पर बहोरिकपुर तिराहे के पास पहुंची ही थी तभी चालक को

झपकी आ गई, ऐसे में पिकअप अनियंत्रित हो गई और पांच फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी।

गाड़ी में सवार सभी लोग अंदर दब गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई, आवाजें सुनकर आसपास के लोग बचाने के लिए दौड़े। सूचना मिलते ही जहानगंज पुलिस भी पहुंच गई। लोगों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस और पुलिस की गाड़ी से लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां रामकली, सुशीला देवी और रामादेवी ने दम तोड़ दिया। बाकी को सैफई रेफर कर दिया गया।

सरकारी कर्मचारी भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में हो सकेंगे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने नौ जुलाई को एक आदेश जारी करते हुए सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है।

इस आदेश में केंद्र सरकारों के द्वारा 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में संशोधन किया गया है, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं और अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों पर कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस आदेश का स्वागत किया है।

दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे बंद, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। रविवार रात 12 बजे से गाजियाबाद में भारी वाहन का प्रवेश बंद हो जाएगा। ये वाहन अन्य वैकल्पिक मार्ग से होकर आगे जाएंगे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से भी भारी वाहन मेरठ की ओर नहीं जा सकेंगे। यह डायवर्जन प्लान पांच अगस्त की रात आठ बजे तक लागू रहेगा। इसके अलावा हापुड़ और बुलंदशहर जिले में रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। हापुड़ में एनएच-9 पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया है जबकि 26 जुलाई के बाद हाईवे और शहर के रूटों को भी वनवे कर दिया जाएगा। एसीपी यातायात जियाउद्दीन ने बताया कि कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए डायवर्जन प्लान में परिस्थिति अनुसार परिवर्तन किया जा सकता है।

हाई कोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से भाट समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग में दाखिल जनहित याचिका पर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति मनीष निगम की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश राज्य अखिल भारतीय भाट समाज एकता और उसके अध्यक्ष पवनेंद्र कुमार की जनहित याचिका पर अधिवक्ता घनश्याम मौर्य को सुनकर दिया है। जनहित याचिका में कहा गया है कि भाट समुदाय को डी अधिसूचित जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकार को सार्वजनिक रोजगार में भाट समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रूप में आरक्षण प्रदान करने का निर्देश दिया जाए।

ऑनलाइन अंतिम संस्कार देख चीख उठे घरवाले, 15 दिन पहले हुई थी शादी

संवाददाता

आगरा। अमेरिका के इंडियाना में उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी गेविन दासौर को गोली मारने के मामले में पुलिस कार्रवाई न होने से पिता पवन दासौर काफी आहत हैं। वह एक ही बात बोल रहे हैं कि उन्हें न्याय चाहिए। पुलिस ने आरोपी को सिर्फ आत्मरक्षा में गोली चलाने का दावा करने पर छोड़ दिया, जबकि सच्चाई यह नहीं है।

गेविन हाथ में पिस्टल जरूर पकड़े था। मगर, गोली नहीं चला रहा था। पिकअप ट्रक चालक से विवाद के दौरान बातचीत में वह दायें हाथ की जगह, बायें हाथ में पिस्टल ले लेता है। वह बायें हाथ से गोली नहीं चला

सकता था। गलत तरीके से गाड़ी चलाने का विरोध कर रहा था। इसी बीच पिकअप ट्रक में सवार अमेरिकी व्यक्ति ने उसे गोली मार दी। वह अमेरिका में अपने अधिवक्ता से विधिक राय लेने के बाद केस दर्ज कराएंगे।

पवन दासौर ने बताया कि बेटा गेविन स्नातक करने के बाद ही अमेरिका चला गया। वहां पर उसने ऑटो मोबाइल में डिप्लोमा करने के बाद ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय शुरू किया।

सपा चेयरमैन की पत्नी के मैरिज होम पर गरजा बाबा का बुलडोजर

संवाददाता

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में रविवार को करहल चेयरमैन की पत्नी के मैरिज होम पर बुलडोडर गरजा। सपा चेयरमैन अब्दुल नईम की पत्नी फरजाना बेगम के मैरिज होम पर रविवार को बुलडोजर चला। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में देखते ही देखते पूरा मैरिज होम ध्वस्त दिया गया। बीते वर्ष तहसीलदार न्यायालय ने तालाब की भूमि में बने मैरिज होम की बेदखली के आदेश जारी किए थे। अपर जिलाधिकारी न्यायिक न्यायालय द्वारा अपील भी खारिज कर दी गई थी।

करहल के पूर्व चेयरमैन संजीव यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत की थी कि नगर में तालाब समेत अन्य सरकारी जमीनों पर कब्जा कर अवैध निर्माण किए गए हैं। मामले में सीएम ने जिलाधिकारी को मैनपुरी

को जांच कर कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। डीएम के आदेश पर तत्कालीन एसडीएम करहल के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की थी। जांच में पाया गया था कि तालाब की भूमि पर ईदगाह कॉलोनी में चेयरमैन अब्दुल नईम की पत्नी फरजाना बेगम का मैरिज होम बना है।

स्थायी निर्माण होने के चलते तहसीलदार करहल न्यायालय में मुकदमा चलाया गया। इसमें मैरिज होम ध्वस्त कराने के आदेश 2 सितंबर 2023 को दिए गए थे।

गुरुग्राम-अलवर हाईवे पर दुर्घटना में तीन दोस्तों की मौके पर मौत

संवाददाता

फिरोजपुर झिरका। रविवार की सुबह गुरुग्राम-अलवर हाईवे स्थित गांव नसीरबास में ओवरलोड डंपर ने एक कार में सवार तीन युवकों को टक्कर दे मारी, जिसमें तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

तड़के सुबह करीब साढ़े चार बजे हुए इस हादसे के दौरान कार के परखच्चे उड़ गए, जिसे देखकर लोगों की रूह कांप उठी। दुर्घटना को अंजाम देकर चालक खनिज सामग्री से भरे डंपर को छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों की पहचान रोहन, जितेन्द्र रोहित निवासी सुलतानपुरी दिल्ली व सोनीपत के रूप में बताई है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर चालक व क्लीनर के विरुद्ध मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 22 से 26 वर्षीय तीन दोस्त, जिनमें जितेन्द्र निवासी सोनीपत, नितिन और रोहन सुलतानपुरी दिल्ली के रहने वाले थे। वह यूपी नंबर की एक कार में सवार होकर अलवर के रामगढ़ स्थित अपने मामा के यहां मिलने जा रहे थे। वो जब तड़के सुबह फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र के गांव नसीरबास के करीब पहुंचे तो फिरोजपुर झिरका की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ओवरलोड डंपर नंबर आरजे 40जीए 6793 ने कार को टक्कर मार दी।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय संस्कृत विवि में गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन हुआ

लखनऊ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन, गुरु दक्षिणा और वेद पारायण के कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने वर्चुअल माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को सम्बोधित कर गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। लखनऊ परिसर के निदेशक एवं वेद- वेदांग-वैदिक-विज्ञान विद्या स्थान के प्रमुख प्रोफेसर सर्वनारायण झा ने गुरु के महत्व को दर्शाते हुए कहा कि गुरु मुख से विद्याध्ययन करने पर शिष्य यथाशीघ्र विद्वान् बनते हैं, लेकिन गुरु कृपा से विद्या फलवती होती है। अध्ययन के बल पर शिष्य विद्वान् होते हैं, लेकिन जिन शिष्यों के ऊपर गुरु कृपा रहती है, उनकी विद्या अधिक फलवती होती है, ऐसा देखा गया है। परिसर के शिष्यों ने गुरुजनों की अर्चना की और वेदपाठ किया। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा। इसके साथ ही परिसर में गुरुदक्षिणा कार्यक्रम भी सम्पन्न हुए, जिसमें भारतीय ज्ञान परम्परा और आचार परम्परा का पालन करने वाले तथा सनातन संस्कृति में आस्था रखने वाले संघ के प्रान्त प्रचारक एवं अनेक गणमान्य परिसर में उपस्थित हुए। वेद पारायण करने वाले छात्रों में प्रमुख शिवम मिश्र, हिमांशु पाण्डेय, हेमन्त पाण्डेय एवं वेद विभाग के आचार्य डॉक्टर राहुल कुमार मिश्र थे।

करंट की चपेट में आए मजदूर की मौत

लखनऊ। बख्शी का तालाब क्षेत्र के इटौंजा थाना इलाके में निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे मजदूर की बिजली के चपेट में आने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूर को अस्पताल भेजवाया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को भी सूचना दे दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। राजा बाग में शाहपुर निवासी राजन के मकान में निर्माण का काम चल रहा है। यहां थाना अटरिया जिला सीतापुर का रहने वाला कमलेश मजदूरी का काम करता था। रविवार को सुबह लगभग साढ़े दस बजे छत पर जा रहा था तभी बिजली के तार की चपेट में आ गया। मकान मालिक ने इसकी सूचना इटौंजा थाना को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूर को इलाज के लिए भेजा। इटौंजा थाना प्रभारी मार्कंडेय यादव ने बताया कि परिजनों ने पुलिस को अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

दिन दहाड़े टेक्निकल एडवाइजर की बाइक चोरी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में बैखोफ बाइक चोर सड़क किनारे खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। युवक के काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का पता ना चलने पर पीड़ित ने आशियाना पुलिस से लिखित शिकायत कर अज्ञात चोरों पर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खगांली तो कैमरे में बाइक ले जाते हुए दो चोर दिखाई पड़े। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से निकले हुलिए के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है। काकोरी थाना क्षेत्र के गांव मोइद्दीनपुर निवासी सूरज ने बताया कि वह वीआईपी रोड पर स्थित देवी खेड़ा में मेगा मोटर्स मारुति सुजुकी वर्कशॉप में टेक्निकल एडवाइजर है। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अपनी स्प्लेंडर प्लस बाइक यूपी 32 जेएच 5235 खड़ी कर अंदर ड्यूटी करने चले गए। जिसके बाद बैखोफ चोरो ने उनकी बाइक उड़ा दी।दोपहर करीब डेढ़ बजे लंच करने के लिए बाहर आए तो गेट पर खड़ी बाइक गायब देखी तो उनके होश उड़ गए। जिसके बाद पुलिस को सूचना देने के साथ ही काफी तलाशने के बाद भी बाइक का कुछ पता नही चल सका। पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी में चोर बाइक ले जाते हुए दिखाई दिए हैं। चोरों की तलाश की जा रही है।

दयाल रेजीडेंसी के पास वकील पर दबंगों ने किया हमला

लखनऊ। चैम्बर से घर लौट रहे अधिवक्ता पर दबंगों ने दयाल रेजीडेंसी के पास हमला कर दिया। लाठी से उन्हें बुरी तरह पीटने के बाद हमलावर फरार हो गए। यह आरोप लगाते हुए अधिवक्ता ने चिनहट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। दयाल रेजीडेंसी निवासी अधिवक्ता शुभम पाण्डेय के मुताबिक शनिवार रात करीब आठ बजे वह चैम्बर से घर लौट रहे थे। मकान से करीब दो सौ मीटर पहले दस लोगों ने उन्हें घेर कर हमला कर दिया। लाठी से शुभम को बुरी तरह से पीटा, जिसके बाद हमलावर भाग निकले। पीड़ित के मुताबिक अंधेरा होने की वजह से वह हमलावरों का चेहरा नहीं देख सके। इंस्पेक्टर अश्विनी चतुर्वेदी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्लॉट पर कब्जे का प्रयास, अधिवक्ता के वेश में आए आरोपित

लखनऊ। कृष्णानगर स्थित एक प्लॉट पर कब्जे का प्रयास किया गया। सूचना मिलने पर पहुंचे प्लॉट मालिक के विरोध करने पर अधिवक्ता की ड्रेस पहन कर आए लोगों ने हंगामा किया। विवाद की सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपितों ने एक रजिस्ट्री दिखाई। प्लॉट मालिक के मुताबिक फर्जी कागज बना कर रजिस्ट्री तैयार की गई है। यह आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कृष्णानगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। आलमबाग गोपालपुरी निवासी इंद्रेश काण्डपाल की मां गीता ने कृष्णानगर के जयप्रकाश नगर में 900 वर्ग फुट का प्लॉट 1999 में खरीदा था। इसकी रजिस्ट्री भी गीता के नाम पर है। इंद्रेश के मुताबिक कुछ वक्त पूर्व अधिवक्ता की ड्रेस पहने करीब एक दर्जन लोग प्लॉट पर पहुंच कर मालिकाना हक जताने लगे। इंद्रेश के मना करने पर बताया कि प्लॉट की रजिस्ट्री भी है। पीड़ित के मुताबिक फर्जी तरीके से उनके प्लॉट की रजिस्ट्री तैयार कराई गई। इंद्रेश ने एसीपी कृष्णानगर से शिकायत की थी, जिनके निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

सपा प्रतिनिधिमंडल वाराणसी जाएगा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एक प्रतिनिधिमंडल 24 जुलाई को वाराणसी जाएगा। वहां चौकाघाट ढेलवारिया निवासी रेनू गोंड के पति से मिलेगा। रेनू गोंड के पति ने अपनी पत्नी के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है। प्रतिनिधिमंडल वहां पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिलेगा और मामले की पड़ताल करेगा। प्रतिनिधिमंडल में व्यास जी गोंड, रीबू श्रीवास्तव, सुजीत यादव, दिलीप डे, अशफाक अहमद व शनि कुमार सोनकर शामिल हैं।

इंजीनियरों को मिले पुरानी पेंशन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत परिषद अभियंता संघ की रविवार को हुई बैठक में ऊर्जा निगमों में भी मार्च 2005 से पूर्व के जारी विज्ञापनों से नियुक्त अभियंताओं के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाने की मांग उठाई गई। इसके लिए 28 जून 2024 को जारी शासनादेश का हवाला दिया गया है, जिसमें सरकार ने 28 मार्च 2005 से पूर्व के विज्ञापनों से भर्ती कार्मिकों को पुरानी पेंशन चुनने का विकल्प दिया है। फील्ड हास्टल में हुई इस बैठक में संघ के महासचिव जितेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि शासन द्वारा 28 जून को जारी शासनादेश के माध्यम से उन सभी कार्मिकों को पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किए जाने का विकल्प उपलब्ध करने के लिए निर्देशित किया है, जिनकी रिक्तियां 28 मार्च 2005 से पूर्व विज्ञापित की गई थीं। इस शासनादेश से परिषदीय विद्यालयों, शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं, राज्य सरकार द्वारा अनुदानित स्वायत्तशासी संस्थाओं के कार्मिकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि समस्त ऊर्जा निगम प्रदेश की आवश्यक सेवाओं के अंतर्गत है, अतः उक्त शासनादेश के अनुरूप समस्त ऊर्जा निगमों में भी 28 मार्च 2005 से पूर्व की जारी विज्ञापनों से नियुक्त अभियंताओं को भी पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित कराए जाने का विकल्प दिया जाए। मुख्यमंत्री से इस मांग को पूरा करने का अनुरोध किया। अन्य वक्ताओं ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि बिजली बोर्ड के विघटन के बाद भर्ती किए जाने वाले बिजली कर्मियों को पुरानी पेंशन नहीं दी जाएगी। हाल में ही राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड के ऊर्जा निगमों में कार्यरत सभी अभियंताओं व कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की गई है। इंजी. आलोक कुमार श्रीवास्तव, बीपी अग्रवाल, प्रवीण कुमार, संतोष कुमार, एमके गौतम, लेखराम वर्मा, अजय सिंह कटियार, बृजेश सिंह, संजय कुमार गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता तथा विजय तिवारी ने भी विचार व्यक्त किए।

हुसैनगंज उपकेंद्र में भीषण आग

धू-धू कर ट्रांसफार्मर जला, अफरातफरी मची

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हुसैनगंज उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। लेकिन आग बढ़ती ही जा रही थी। इसपर फायर ब्रिगेड की टीम ने फोम डालकर आग पर काबू पाया। बता दें, बिजली विभाग का कस्टमर केयर ऑफिस 1912 भी यहीं पर है। रविवार सुबह बर्लिंगटन चौराहे के पास हुसैनगंज 33ध्11 केवी उपकेंद्र में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी होते ही कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। पावर हाउस में मौजूद कर्मचारियों ने 20 बाल्टी बालू डालकर आग बूझाने की कोशिश की। लेकिन आग नहीं बुझी। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां से 25 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को बुझाने के लिए फोम का इस्तेमाल किया। वहीं पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। राजभवन के अधीक्षण अभियंता आरपी केन ने बताया- 10 डट। ट्रांसफार्मर की बुश फटने और तेल निकलने के कारण ट्रांसफर में आग लगी। हुसैनगंज उपकेंद्र से विधानसभा मार्ग, शिवाजी मार्ग, बर्लिंगटन, हुसैनगंज, फूल बाग, मॉडल हाउस, लाल कुआं समेत कई क्षेत्रों में सप्लाई होती है। ट्रांसफार्मर जलने से यहां की करीब 10 हजार आबादी इससे प्रभावित होगी। बिजली सप्लाई सही होने में लगभग 4 घंटे लग जाएंगे।

एसी का कंप्रेसर फटने से लगी आग

लखनऊ। बख्शी का तालाब फायर स्टेशन इलाके में एसी का कंप्रेसर फटने से घर में आग लग गई। लाखों रुपए का सामान जल गया। सूचना के बाद पहुंचीं दमकल की 2 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। मडियांव के अजीज नगर मोहल्ले में स्माइल का मकान है, वो अपने परिवार के साथ यहां रहते हैं। रविवार की सुबह एसी का कंप्रेशर फट जाने से घर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धर लिया। घर के लोग वहां से भाग गए। घटना की जानकारी बीकेटी फायर कंट्रोल रूम को दी गई। दमकल विभाग की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इलाका संकरा होने की वजह से दमकल की गाड़ियां घर तक नहीं जा सकीं। पाइप लगाकर आग को बुझाने का काम किया गया। इस्माइल ने बताया कि घर में रखा बेड, बिस्तर, आलमारी बर्तन फ्रिज कूलर समेत सारा सामान जल गया। जिससे लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। फायर स्टेशन प्रभारी प्रशांत कुमार ने बताया कि रास्ता संकरा होने की वजह से कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। किसी तरह से आग को बुझाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि अगर आग और विकराल रूप पकड़ती तो कई घर आग की चपेट में आ सकते थे। हालांकि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई है।

एक मिनट में बच्चे को 8 थप्पड़ जड़े, कान से आ गया खून

निर्दयी शिक्षिका

संवाददाता

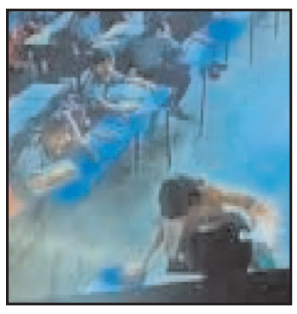

लखनऊ। लखनऊ में ठाकुरगंज स्थित एक निजी स्कूल की शिक्षका ने कक्षा पांच के बच्चे को एक मिनट में आठ थप्पड़ जड़े। बच्चे को कान पकड़ कर खींचा भी है। कान पर थप्पड़ के प्रहार से बच्चे के कान से खून निकल आया। पूरी घटना सीसी कैमरे में कैद है। बच्चे के पिता ने शिक्षिका के खिलाफ ठाकुरगंज थाने में तहरीर दी है।

निवाजगंज निवासी विशाल चौरसिया ने बताया कि उनका 10 वर्षीय बेटा आरव चौरसिया घर के पास स्थित एक निजी स्कूल में कक्षा पांच में पढ़ता है। शुक्रवार को बेटा कक्षा में पढ़ रहा था। तभी शिक्षिका ने अपने पास बुलाया। बेटे को ताबड़तोड़ आठ थप्पड़ जड़ दिये। बेटे का धमकाया भी। बेटे के कान खून निकलने लगा। बेटा जब घर आया तो वह डरा हुआ था। काफी पूछने से उसने शिक्षिका के पीटने की बात बतायी। कान में खून देख घर वाले नाराज हो गए। विशाल स्कूल गए प्रधानाचार्य से बेटे को शिक्षिका द्वारा पीटने की शिकायत की। पहले तो प्रधानाचार्या ने टालने का प्रयास किया। परिजन के दबाव में उन्होंने शिक्षिका को बुलाया तो वो मारपीट की बात से मुकर गईं। कक्षा के बच्चों से पूछा गया। बच्चों ने पीटने की जानकारी दी। सीसी कैमरे की फुटेज निकाली गई। जिसमें शिक्षिका बच्चे को मारते हुये दिख रही हैं। पुष्टि होने के बाद स्कूल प्रबंधन ने शिक्षिका को निष्कासित कर दिया है। पिता ने ठाकुरगंज कोतवाली में शिक्षिका के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने सीसी फुटेज लेकर मामले की जांच कर रही है

गन्ना आयुक्त का घेराव करेंगे किसान

लखनऊ। गन्ना भुगतान, बिजली माफी समेत कई मांगों को लेकर किसान गन्ना संस्थान का घेराव करेंगे। भारतीय किसान यूनियन हरिनाम सिंह गुट के कार्यकर्ता गन्ना संस्थान पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान किसानों की मांग को लेकर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। किसान यूनियन के अध्यक्ष हरिनाम सिंह ने बताया कि गन्ना का रेट 50 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने की जरूरत है। किसानों का बकाया भुगतान भी अभी तक नहीं हुआ। इसको लेकर पूरे प्रदेश के किसानों में नाराजगी है। जल्द ही सही नहीं किया गया तो किसान आंदोलन के लिए विवश होंगे। इसके अलावा अभी तक किसानों के लिए बिजली पूरी तरह से फ्री नहीं हुई है। नलकूप के कनेक्शन वाले किसानों को फ्री बिजली देने की बात हुई थी, लेकिन प्रदेश में अभी भी कई जगह ऊर्जा विभाग के अधिकारी किसानों को परेशान कर रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन ने कहा कि लखनऊ एससीआर के फैसले का भी किसान विरोध करेंगे।

जलभराव वाले इलाकों में ड्रोन से एंटीलार्वा का स्प्रे कराएं

लखनऊ कमिश्नर ने दिया आदेश

संवाददाता

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने संक्रामक व जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए अफसरों को ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है। रविवार को बटलर पैलेस कैम्प कार्यालय में हुई बैठक में उन्होंने अधिकारियों को डेंगू, डायरिया, टाइफाइड आदि रोगों की रोकथाम के लिए नगर की सफाई व्यवस्था चाकचौबंद करने का निर्देश दिया।

मंडलायुक्त ने कहा कि गली मोहल्ले में नियमित रूप से फॉगिंग, एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जाए। फ्रिज, कूलर, टायर व गमलों में पानी एकत्रित व जमा रहने के कारण डेंगू का प्रकोप बढ़ता है। उन्होंने कहा कि संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग मलेरिया की संयुक्त टीमें बनाई जाएं, जो गली-मोहल्ले में जागरूकता का अभियान चलाएं। नाले-नालों की सफाई के दौरान ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव जरूर कराया जाए। मंडलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों से कहा कि जलभराव वाले एरिया में ड्रेनेज को चिह्नित कर तत्काल सफाई कराई जाए। इन स्थानों पर युद्ध स्तर पर नाले-नालियों की सफाई कराई जाए। फागिंग व एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जाए। घर-घर जाकर पम्पलेट बांटने के साथ ही लाउडस्पीकर से घोषणा कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में जलभराव है, वहां नगर निगम ड्रोन से स्प्रे कराए। मंडलायुक्त ने बीएसए को स्कूलों व उनके शौचालयों की नियमित सफाई कराने को कहा है।

किराना व्यापारी से लूटे एक लाख रुपये

संवाददाता

लखनऊ। बीबीडी थाना अंतर्गत लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार रात तीन नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने किराना व्यापारी के साथ लूटपाथ की। व्यापारी के शोर मचाने पर बदमाश नकदी भरा थैला उससे छीनकर फरार हो गए। हालांकि, किराना व्यापारी की लिखित शिकायत पर बीबीडी पुलिस ने फौरन प्राथमिकी दर्ज कर बदमाशों की तलाश में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। गाजीपुर थाना अंतर्गत इंदिरानगर निवासी किराना व्यापारी उत्तम लाट शनिवार रात करीब दस बजे दुकान बंदकर स्कूटी से घर जा रहा था। उनके पास एक थैला भी था, जिसमें दुकान की ब्रिकी का तकरीबन 1.10 लाख रुपया, एक मोबाइल और तीन रोज नामचा किताब (लेजर बुक) थी। लिखित शिकायत में किराना व्यापारी ने बताया कि राजमार्ग के ढ़ाबे के पास पीछे से आए तीन नाकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने उसे ओवरटेक कर रोक लिया, इसके बाद बदमाश उससे हाथपाई करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने किराना व्यापारी की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। इसके बाद बदमाश किराना व्यापारी से थैला छीनकर भाग निकले। बदमाशों के जाने के बाद किराना व्यापारी ने राहगीरों की मदद से फौरन पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी, जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। इसके बाद किराना व्यापारी की लिखित शिकायत पर पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अजय नारायण सिंह के मुताबिक, किराना व्यापारी रोजाना घर लौटते समय चाय के दुकान पर सामान देते थे। कयास लगाए जा रहे हैं कि बदमाशों को इस बात की पूरी जानकारी थी, इसके बाद लुटेरों ने वारदात को अंजाम दिया है। बताया कि पुलिस ने हाइवे और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस फुटेज में एक संदिग्ध बाइक सवार दिखाई पड़ा है। फिलहाल, बदमाशों की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई है। जल्दी मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

समीक्षा अधिकारी समेत दो लोगों के मकानों में चोरी

संवाददाता

लखनऊ। बादशाहनगर कॉलोनी में समीक्षा अधिकारी के मकान का ताला तोड़ कर चोर जेवर और रुपये बटोर ले गए। वहीं, विकासनगर के एक मकान में चोर घुस गया। पीड़ितों ने महानगर और विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

बादशाहनगर न्यू कॉलोनी निवासी समीक्षा अधिकारी शिल्पी गेरा 12 जुलाई को उत्तराखंड गई थीं। वापस आने पर उन्हें घर में चोरी होने का पता चला। जेवर के साथ 25 हजार रुपये और घरेलू सामान गायब थे। उन्होंने मकान की पहली मंजिल पर रहन वाले परिवार पर आरोप लगाया है, जो काफी दिनों से स्कूटी खड़ी करने को लेकर विवाद कर रहे थे। पीड़िता के मुताबिक आरोपित पहले भी कई बार शू रैक तोड़ चुके हैं। इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्र ने बताया कि शिल्पी गेरा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

उधर, विकासनगर निवासी राजेश गर्ग की पत्नी आरती गर्ग देहरादून स्थित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान में कार्यरत हैं। इसके चलते राजेश भी देहरादून में रहते हैं। पीड़ित के मुताबिक सुरक्षा के लिए उन्होंने घर में सीसी कैमरे लगवाए हैं। उसकी फुटेज चेक करने पर कमरे का ताला टूटा होने का पता चला। एक व्यक्ति भी घर में नजर आया, जो एक चादर उठा कर चला गया। इसके अलावा कीमती सामान चोरी नहीं हुआ।

उमस से बिजली की मांग बढ़ने से फाल्ट भी बढ़े, लोग परेशान

ग्रामीण क्षेत्रों में 45 मिनट और तहसीलों पर 30 मिनट काटी गई बिजली

संवाददाता

29781
मेगावाट पहुंची बिजली की अधिकतम मांग

लखनऊ। उमस व गर्मी बढ़ने के साथ ही यूपी में बिजली की मांग फिर से रफ्तार पकड़ने लगी है। बिजली की मांग बढ़कर फिर से 30 हजार मेगावाट के करीब पहुंच गई है। मांग बढ़ने के साथ ही स्थानीय फाल्ट बढ़ने लगे हैं। फाल्ट के कारण बिजली कटने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने फाल्ट की शिकायतें आने पर उसे तत्काल ठीक करने का आदेश जारी किया है।

जुलाई में बारिश शुरू होने के साथ ही बिजली की मांग गिरने लगी थी। अधिकतम मांग गिरकर 23 से 24 हजार मेगावाट तक चली गई थी। इधर कुछ दिनों से बारिश नहीं होने और उमस बहुत बढ़ जाने से बिजली की मांग में फिर से तेज इजाफा हो रहा है। शनिवार की रात को 11 बजे अधिकतम मांग 29781 मेगावाट पहुंच गई थी। दो-तीन दिन बारिश नहीं होने पर मांग में रिकार्ड वृद्धि हो सकती है। यूपीएसएलडीसी की रविवार की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को गांवों को 18 घंटे की जगह 17.15 घंटे तथा नगर पंचायतों व तहसील मुख्यालयों को 21.30 घंटे के तय शिड्यूल की जगह महज 21 घंटे ही बिजली की आपूर्ति की गई। प्रबंधन के स्तर से इस कटौती के अलावा लोगों को स्थानीय स्तर पर आने वाले फाल्ट के कारण घंटों बिना बिजली के रहना पड़ा।

30618 मेगावाट है बिजली की अधिकतम मांग का रिकार्ड

मई व जून में प्रचंड गर्मी के कारण बिजली की मांग ऐतिहासिक स्तर तक पहुंची थी। बिजली की मांग कई दिनों तक 29 से 30 हजार मेगावाट तक रही थी। 14 जून को बिजली की अधिकतम मांग व खपत का रिकार्ड बना था, इस दिन 30618 मेगावाट बिजली का उपभोग एक समय में राज्य के लोगों ने किया। यह अब तक की सबसे बड़ी मांग व खपत है।

कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद फैसला लेंगे शिक्षक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ने कहा है कि डिजिटल हाजिरी और प्रार्थना सभा की फोटो भेजने के मामले में शासन द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट आने तक इंतजार किया जाएगा। तब तक न कोई शिक्षक फोटो भेजेगा और न ही कोई डिजिटल हाजिरी लगाएगा। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की रणनीति तय की जाएगी। संघ के लखनऊ स्थित प्रांतीय कार्यालय पर रविवार को हुई मासिक बैठक में इस बाबत फैसला लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि डिजिटल हाजिरी स्थगित होने के बाद भी शिक्षक संतुष्ट नहीं हैं। इसे रदद् किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के लाखों बच्चे हर साल ड्रेस की धनराशि से वंचित हो रहे हैं। नया नामांकन कराने वाले बच्चों को भी यह धनराशि 15 अगस्त से पहले भुगतान की जाए।

सावन में कांवड़ियों के आवागमन को लेकर आज से 19 अगस्त तक डायवर्जन

संवाददाता

लखनऊ। सावन के दौरान कांवड़ियों के आवागमन को लेकर सोमवार से 19 अगस्त तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। इसके अलावा शहर के महत्वपूर्ण शिव मंदिरों के आसपास भी रूट डायवर्जन रहेगा।

कानपुर, उन्नाव से गोरखपुर की तरफ जाने वाले वाहन बंथरा, जुनाबगंज से मोहनलालगंज-खुजौली से गोसाईंगंज से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होकर गोरखपुर की तरफ जा सकेंगे।

प्रयागराज से लखनऊ बाराबंकी होकर बहराइच, श्रावस्ती-बलरामपुर गोंडा जाने वाले वाहन मोहनलालगंज से गोसाईंगंज-खुजली से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से होकर गोरखपुर की तरफ जा सकेंगे।

शाहजहांपुर, बरेली, सीतापुर से लखनऊ होकर गोरखपुर की तरफ जाने वाले भारी वाहन माड़ियांव आईआईएम रोड-पारा से वीआईपी रोड से शहीद पथ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर की तरफ जा सकेंगे।

लखनऊ से बाराबंकी, गोरखपुर की तरफ जाने वाले भारी वाहन इन्दिरा कैनाल अयोध्या रोड से किसान पथ पर डायवर्ट किए जाएंगे जो किसान पथ सुल्तानपुर रोड पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गन्तव्य को जा सकेंगे।

शहर के महत्वपूर्ण शिव मंदिरों के आसपास बदला रहेगा ट्रैफिक

डालीगंज इक्का-तांगा स्टैण्ड चौराहे से सामान्य यातायात मनकामेश्वर मंदिर बन्धा रोड होते हुए हनुमान सेतु मंदिर तिराहे की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात आईटी चौराहा या डालीगंज पुल होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

मनकामेश्वर मंदिर ढाल तिराहे से किसी प्रकार का यातायात मनकामेश्वर मंदिर की ओर नहीं जा सकेगा। मनकामेश्वर मंदिर नदवा बन्धा ढाल तिराहे से मनकामेश्वर मंदिर की ओर यातायात नहीं जा सकेगा। यह यातायात हनुमान सेतु या बन्धा रोड होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

बुद्धेश्वर चौराहे से सामान्य यातायात बुद्धेश्वर मंदिर की ओर नहीं जा सकेगा, बल्कि यह यातायात सर्विस रोड या ओवरब्रिज के ऊपर से होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

उपचुनाव के लिए कसी कमर

राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जन्मदिन भी मनाया

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस ने प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को पार्टी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उपचुनाव से संबंधित जिला व शहर अध्यक्षों तथा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में अपनी भावी रणनीति पर मंथन किया। पार्टी ने इस बारे में सुझाव भी लिए कि सपा के गठबंधन में पार्टी को किन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का संचालन संगठन महासचिव अनिल यादव ने किया। प्रदेश अध्यक्ष ने पदाधिकारियों से सभी 10 विधानसभाओं में संगठन को मजबूत बनाने एवं चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन पर सुझाव मांगे। पदाधिकारियों ने विधानसभावार अपनी रिपोर्ट देने के साथ ही इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के बारे में सुझाव भी प्रस्तुत किए।

सूत्रों के अनुसार बैठक के बाद पार्टी ने कम से कम चार सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बनाया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता भाजपा व बसपा को मौका देकर देख चुकी है और अब वह कांग्रेस की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। हमें पूरी ताकत के साथ उपचुनाव में मेहनत करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह उपचुनाव 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि को मजबूत करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कांग्रेस के राष्ट्री अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जन्मदिन की बधाई दी। बाद में पदाधिकारियों के साथ केक काटकर उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे का जन्मदिन मनाया और उनके दीर्घायु होने की कामना की। बैठक में पूर्व मंत्री सदल प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, विदित चौधरी, मनीष मिश्रा, आलोक प्रसाद, राहुल राय, प्रदेश महासचिव सुबोध शर्मा, कौशलेन्द्र यादव, योगेन्द्र मिश्रा, मनोज गौतम, अंशू तिवारी, प्रदेश सचिव विनीत पराशर वाल्मीकि, अशोक सैनी, बृजेन्द्र मिश्रा, अर्चना राठौर, मिथुन त्यागी व संतराम नीलांचल समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बंद इंश्योरेंस पॉलिसी शुरू करने का झांसा देकर साढ़े छह हड़पे

लखनऊ। बंद पड़ी इंश्योरेंस पॉलिसी को दोबारा से शुरू करने दावा कर युवक से साढ़े छह लाख की धोखाधड़ी की गई। पीड़ित ने गोमतीनगर विस्तार कोतवाली में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। सतलुज अपार्टमेंट निवासी अनिल कुमार शर्मा ने निजी कम्पनी की पॉलिसी ली थी। जिसमें आठ लाख 50 हजार रुपये जमा करने पर 20 लाख रुपये मिलने थे। अनिल करीब 50 हजार रुपये ही जमा कर सके। इस कारण उनकी पॉलिसी बंद हो गई। कुछ दिन पूर्व अनिल को अनजान नम्बर से कॉल आई। फोन करने वाले ने इंश्योरेंस कर्मी के तौर पर परिचय दिया। आरोपी ने अनिल को बताया कि अगर आप दोबार से पॉलिसी शुरू करते हैं तो अच्छा रिटर्न मिल जाएगा। प्रलोभन में फंस कर अनिल ने पॉलिसी रिन्यू करने के लिए हामी भर दी। इसके बाद ठगों ने छह लाख 52 हजार रुपये अलग-अलग खातों में जमा कराए। इसके बाद भी रुपयों की मांग की जाती रही। शक होने पर पीड़ित ने रुपये देने से मना कर दिया। इस बीच छानबीन करने पर अनिल को ठगों के जाल में फंसने का पता चला। पीड़ित के मुताबिक वह गोमतीनगर विस्तार मुकदमा दर्ज कराने गए थे। जहां सुनवाई नहीं होने पर अनिल ने कोर्ट में अर्जी दायर की थी।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए पीएम और वित्त मंत्री को लिखी चिट्ठी

लखनऊ। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु तथा प्रवक्ता डॉ. राजेश कुमार ने केंद्र सरकार से पुरानी पेंशन बहाली और निजीकरण समाप्त करने मांग की है। प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री को लिखे पत्र में तीसरी बार सरकार बनाने पर मुबारकवाद दी और कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया। विजय बन्धु ने यह कहा इस बार पीएम ने शपथ लेने के बाद सहर्ष स्वीकार किया है कि देश के विकास में शिक्षकों, कर्मचारियों का योगदान है। देश एक करोड़ शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी सरकार से कई वर्षों से पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहा है। शिक्षक, कर्मचारी व देश का अर्धसैनिक बल एनपीएस में सुधार नहीं, अपितु हुबहू पुरानी पेंशन चाहता है। इसलिये सरकार कर्मचारियों व शिक्षकों को हुबहू पुरानी पेंशन बहाल कर अपने तीसरे कार्यकाल में सौगात दें। राष्ट्रीय सचिव डॉ. नीरजपति त्रिपाठी ने भी पीएम और वित्तमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश का शिक्षक और कर्मचारी भारत सरकार की ओर से बड़ी उम्मीद लगाए हुए है कि इस बार आने वाले बजट में पुरानी पेंशन बहाल होगी।

111 संविदा कंडक्टरों के लिए भर्ती शुरू

लखनऊ। उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम में बस कंडक्टरों की भर्ती आउटसोर्स पर शुरू हो गई। इसी क्रम में लखनऊ में 111 बस कंडक्टरों की भर्ती के लिए अलग-अलग तारीखों की घोषणा कर दी गई है। डिपो में खड़ी बसें जल्द ही विभिन्न मार्गों पर दौड़ती नजर आएंगी। इससे यात्रियों को हर रूट पर बसों की सेवाएं बढ़ने से सफर में राहत मिलेगी। रोडवेज के अधिकारियों ने बताया कि रोजगार एवं सेवायोजन की तरफ से नौकरी के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र चेक कराने के लिए गोमती नगर के अंबिका टावर में भेजा जा रहा है। 15 से लेकर 23 जुलाई तक शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद मेरिट बनेगी और मेरिट में सफल अभ्यर्थी सिक्योरिटी जमा कर रोडवेज में आउटसोर्स परिचालक नियुक्त हो जाएंगे। क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी का कहना है कि लखनऊ में कंडक्टरों की कमी के चलते कई बार बसों का संचालन नहीं हो पाता था। इसी को देखते हुए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। उम्मीद है कि अगस्त के पहले सप्ताह तक लखनऊ को नए परिचालक मिल जाएंगे। इसके बाद बसों का संचालन समय पर हो सकेगा।

केकेसी में पहली मेरिट सूची से अब 22 तक प्रवेश

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज (केकेसी) में पहली मेरिट सूची के तहत काउंसलिंग कराने की तारीख बढ़ा दी गई है। प्राचार्य का कहना है कि अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। केकेसी में शैक्षणिक सत्र 2024-25 स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत बीए, बीएससी और बीकॉम की पहली मेरिट सूची जारी कर दी गई थी। शनिवार को पहली मेरिट लिस्ट में चयनित अभ्यर्थियों के लिए काउंसलिंग का आखिरी दिन था। प्राचार्य प्रो. विनोद चन्द्र ने बताया कि पहली मेरिट लिस्ट के अभ्यर्थियों ने काउंसलिंग की तिथि बढ़ाने की मांग की थी। अभ्यर्थियों के हित को देखते हुए पहली मेरिट लिस्ट के तहत काउंसलिंग कराने की अंतिम तिथि अब 22 जुलाई कर दी गई है। प्राचार्य का कहना है कि किसी अभ्यर्थी को प्रवेश लेने संबंधी कोई समस्या आ रही है तो वह प्रवेश समन्वयक से सम्पर्क कर सकता है।

दवा लेकर लौट रही महिला से छेड़छाड़

लखनऊ। सीतापुर से दवा लेकर लौट रही महिला के साथ शोहदे ने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी गाली गलौज करते हुए भाग निकला। यह आरोप लगाते हुए पीड़िता ने बीकेटी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। महिगवां इंदारा निवासी महिला के मुताबिक वह दवा खरीदने के लिए सिधौली गई थी। देर शाम वापस आते वक्त भैसामऊ क्रासिंग के पास वह सवारी का इंतजार कर रही थी। इस दौरान शिवम पाल आ धमका। जिसने महिला के साथ गलत हरकत की। विरोध करने पर गाली गलौज कर शिवम भाग निकला। इंस्पेक्टर बीकेटी के मुताबिक पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

अमित वर्मा लखनऊ के नए जेसीपी कानून-व्यवस्था

लखनऊ। शासन ने शनिवार को तीन आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। इसमें अवकाश पर चल रहे लखनऊ के संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था उपेन्द्र अग्रवाल को आईजी ईओडब्ल्यू के पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया, जबकि ईओडब्ल्यू के डीआईजी अमित वर्मा को संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था लखनऊ के पद पर भेजा गया है। डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध एसपी संतोष मिश्रा को एसपी तकनीकी सेवाएं के पद पर स्थानान्तरित किया गया है। लखनऊ के संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था के पद पर भेजे गए अमित वर्मा 2008 बैच के आईपीएस हैं। वकीलों के विरुद्ध कार्रवाई के बाद विवादों में आए उपेन्द्र अग्रवाल अवकाश पर चले गए थे। तभी से माना जा रहा था कि अब किसी नए पद पर उनकी तैनाती होगी।

कार और सड़क को बार बनाने वाले 16 पर एफआईआर

लखनऊ। कार और सड़क को बार बनाने वाले 16 लोगों पर आबकारी विभाग ने मुकदमा दर्ज कराया है। यह कार्रवाई 15 दिन में की गई है। आबकारी टीम ने जांच पड़ताल के दौरान 400 से अधिक लोगों को चेतावनी देकर छोड़ा है। यह सभी सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पकड़े गए थे। आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान के अभियान सड़क पर 'जाम को शासन ने भी गंभीरता से लिया। आबकारी मंत्री ने विभागीय अफसरों को सड़क, खुले स्थानों तथा सड़क किनारे शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद आबकारी विभाग ने जांच पड़ताल तेज की। शाम को आबकारी निरीक्षकों की टीमों ने अलग-अलग इलाकों की शराब दुकानों की जांच की। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि दुकान के बाहर शराब पीने से रोकें। अस्थायी कैंटीन संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी राकेश सिंह का कहना है कि यह गंभीर मुद्दा है। सड़क को ओपन एयर बार बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

केजीएमयू में प्राइवेट मेडिकल स्टोर पर लगेगा ताला

लखनऊ। केजीएमयू प्रशासन ने प्राइवेट संस्थाओं से किनारा करना शुरू कर दिया है। करीब 30 साल से चले आ रहे निजी मेडिकल स्टोर को बंद करने के निर्देश दिए हैं। केजीएमयू प्रशासन ने आय बढ़ाने के लिए परिसर में संचालित अपने मेडिकल स्टोर को बढ़ावा देने की कवायद शुरू की है।

सपा अधिवक्ता सभा में उपाध्यक्ष नामित

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी अधिवक्ता सभा में अनुराग सिंह यादव भोगनीपुर कानपुर देहात को प्रदेश उपाध्यक्ष नामित किया गया है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने यह जानकारी दी है।

अकरबनगर के लोग वसंतकुंज में हाउस अरेस्ट

सपा विधायक समर्थन में उतरे

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अकबरनगर में सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रोग्राम से पहले लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम खत्म होने के बाद लोगों को रिहा किया गया। इस दौरान अकबरनगर से वसंतकुंज में विस्थापित हुए लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया। लोगों ने पोस्टर-बैनर लेकर जमीन वापस करने और मुआवजा देने की मांग की। सपा नेता रविदास मेहरोत्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री कार्यालय का भी नक्शा पास नहीं है, क्या वह भी अवैध है। मुख्यमंत्री लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। सरकार जुल्म और अन्याय पर उतारू है। यही कारण है कि अकबरनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, अबरारनगर को तोड़ने का काम कर रही है। सरकार ने अकबरनगर के उन लोगों को उजाड़ा है, जो लोग 50-60 सालों से रह रहे थे। अब उनको एक रूम में शिफ्ट कर दिया गया है। उसके भी पैसे लिए गए हैं। किसी को मुआवजा नहीं दिया गया है। विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाएंगे। मुआवजे की मांग की जाएगी। लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक मंडल के सदस्य इमरान राजा ने कहा कि अकबरनगर के साथ सरकार ने अन्याय किया है। पूरे क्षेत्र को डूब क्षेत्र घोषित करने की नोटिस दी गई और बुलडोजर लगाकर तहस-नहस कर दिया गया। हजारों लोग बेघर हो गए। सभी को रोजगार से महरूम कर दिया गया। इमरान राजा ने कहा कि जिन लोगों को हटाया गया है, उनके परिवार में भुखमरी जैसी समस्या आ गई है। हालत ये है कि जिंदगी जी पाना भी मुश्किल होता जा रहा है। सरकार अब 35 मीटर ही कुकरैल रिवर फ्रंट के लिए ले रही है। कुकरैल के दोनों तरफ 50 मीटर फ्लड प्लेन जोन की अब उसे न तो आवश्यकता है और ना कोई प्रस्ताव है। 500 मीटर दूर बसे अकबरनगर को ध्वस्त कर दिया गया। सरकार को अकबरनगर निवासियों को दोबारा बसाने चाहिए, लेकिन सरकार उस जगह 25 एकड़ में पार्क और पेड़ पौधे लगा रही रही है। इंसान को बेघर कर पेड़ लगाने की घोषणा करना अमानवीय है। धरना दे रही महिलाओं का कहना है कि हमारे साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा। हमें बेघर क्यों किया। हमारा घर हमें वापस करो। स्थानीय निवासी फरहान शाह ने कहा कि यहां पर रोजी रोजगार नहीं है। बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोग लगातार समस्याओं का समाधान करने का मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार की तरफसे कुछ भी सुना नहीं जा रहा है। वसंत कुंज में विस्थापित किए गए लोगों को फिर से अकबरनगर में घर दिया जाना चाहिए। यहां के लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आभारी रहेंगे। प्रदर्शन कर रही महिला का कहना है कि यहां एक कमरा और एक बरामदा मिला है। इसमें पूरे परिवार का गुजारा नहीं हो पाता है। हम लोग परेशान हैं। जिस तरह से अन्य जगहों में 35 फीट तक बने घरों को गिराया गया है। उसी तरह अकबरनगर में भी होना चाहिए था। हमें अकबरनगर में फिर से घर दिया जाए। भारत कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जिला सदस्य प्रवीण सिंह का कहना है कि अकबरनगर के लोगों को उजाड़ा गया है। सरकार ने कहा हम मुआवजे के रूप में घर दे रहे, लेकिन जो घर मिले हैं वो पैसे में मिले हैं। वसंतकुंज में लोगों की हालात क्या है एक बार सीएम को जाकर देखना चाहिए। 6 से 7 लोगों का परिवार एक कमरे में कैसे गुजारा कर सकता है। बच्चों की पढ़ाई छूट गई है। नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। सरकार बड़े बिल्डर्स के इशारे पर काम कर रही है।

पॉलिटेक्निक छात्रा को सीनियर ने दी धमकी

पुलिस ने हिरासत में लिया

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव में पॉलिटेक्निक की छात्रा से सीनियर छात्र ने घर में घुसकर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर चेहरा बिगाड़ने की धमकी दी। पीड़िता की मां ने पुलिस को फोन किया तो धमकी देते हुए भागने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी गेट से टकराकर घायल हो गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी छात्र धीरज को हिरासत में लिया है। मड़ियांव पुलिस ने बताया पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मड़ियांव की रहने वाली छात्रा एक पॉलिटेक्निक कॉलेज से सिविल से डिप्लोमा कर रही है। आरोपी छात्र उसका सीनियर है। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया- शुक्रवार रात आरोपी धीरज नशे में घर आया और बेटी से बात करने के लिए दबाव बनाने लगा। विरोध किया तो हंगामा करने लगा। पीड़िता की मां ने बताया पुलिस बुलाने की बात पर कहने पर लगा कि आप मेरी सासू मां हैं, आप मार सकती हैं, डांट सकती हैं। मैं पुलिस के हाथ नहीं आऊंगा। उसके बाद जमकर हंगामा किया। पुलिस के आने की बात सुन धमकी देते हुए भागा तो गेट पर गिर गया। जिससे उसके सिर में चोट आ गई। पीड़िता की मां ने बताया आरोपी धीरज हमेशा बेटी को धमकी देता है। कहता है- तुम मुझसे बात नहीं करोगी तो चेहरा बिगाड़ दूंगा, अपनी नश काट कर फंसा दूंगा। इतना ही नहीं राह चलते बेटी को रोक कर बात करने और मिलने के लिए मजबूर करता है। कहता है मैं कॉलेज के गेट पर खड़ा रहूंगा तुम कॉलेज कैसे जाओगी। पीड़िता ने कहा बेटी को धीरज मानिसक तौर पर टॉर्चर करता है। वह इतनी परेशान हो गई कि उसको देखकर कांपने लगती है। बेटी ने एक बार नंबर ब्लाक किया तो रास्ते में रोककर उसका मोबाइल छीन लिया।कहता है कि जब हम से बात नहीं करोगी तो किसी से भी बात नहीं करने दूंगा।

कांग्रेस ने किया फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी करने वालों का समर्थन

लखनऊ। अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज़ आलम ने आगरा में फिलिस्तीन के पक्ष में नारे लगाने वाले युवकों की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार युवाओं से मिलने और उनकी पैरवी करने के लिए अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष शाहिद खान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को आगरा भेजा गया है। उन्होंने गिरफ्तार युवाओं के परिवारीजनों से फोन पर बात भी की। उन्होंने कहा कि भारत आजादी के पहले से ही फिलिस्तीन समेत अन्य पराधीन देशों की आज़ादी की लड़ाई का समर्थक रहा है। वर्ष 1977 में 29 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल एसेम्बली ने भी पूरी दुनिया में फिलिस्तीनी अवाम के साथ उनके संघर्ष में एकजुटता दिवस घोषित किया हुआ है। इस दिन पूरी दुनिया में फिलिस्तीन की आज़ादी के समर्थन में लोग फिलिस्तीनी झंडे के साथ मार्च निकालते हैं।

देश के टॉप 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में एलयू

विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को वेबमेट्रिक्स रैंकिंग 2024 जुलाई संस्करण में देश के शीर्ष 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है। एलयू को पूरे देश के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में 98वां और विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान प्राप्त हुआ है। वेबमेट्रिक्स रैंकिंग में जगह बनाने वाला एलयू प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्व के विश्वविद्यालयों की वेबमेट्रिक्स रैंकिंग साइबरमेट्रिक्स लैब की एक पहल है। यह स्पेन के कॉन्सेजो सुपीरियर डी इंवेस्टिगेशियन्स साइंटिफिकस (सीएसआईसी) से जुडा एक रिसर्च ग्रुप है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के 31,000 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने के बाद वेबमेट्रिक्स रैंकिग प्रदान की जाती है। कुलपति के मुताबिक एलयू अब देश का एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बन गया है। यहां एनईपी 2020 कार्यान्वयन, यूजी कार्यक्रम में चौथे वर्ष का पहला बैच, क्रेडिट ट्रांसफर, कई प्रविष्टियां और पहला एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम है। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस मान्यता, यूजीसी प्रथम श्रेणी विवि का दर्जा, एनआईआरएफ रैंकिंग आदि पाने वाला यूपी का पहला राज्य विश्वविद्यालय होने का श्रेय है।

अब फुलपैंट और फूल बांह की शर्ट पहनकर स्कूल आएंगे बच्चे

संवाददाता

लखनऊ। बरसात और जलभराव की वजह से प्रदेश में डेंगू एवं मलेरिया समेत अन्य वेक्टर जनित रोगों के बढ़ते प्रकोप के कारण प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्कूलों के बच्चों को अब फुल पैंट और फुल बांह की शर्ट पहनकर स्कूल आना होगा। बेसिक शिक्षा निदेशक ने इस संबंध में सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) के नाम निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि वेक्टर जनित रोगों से बचाव के लिए स्कूलों में बच्चों को अब फुलपैंट और पूरी बांह की शर्ट में आने के आदेश दें। साथ ही उन्हें इन रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करें और स्कूलों के आसपास सफाई अभियान चलाएं ताकि स्कूली बच्चों को रोगों से सुरक्षित किया जा सके।

सभी बीएसए को यह भी दिए गए हैं निर्देश

- सभी विद्यालयों में बच्चे फुल पैंट व पूरी बांह की शर्ट पनकर आएं इसके लिए सभी बीईओ व प्रधानाध्यापकों को तत्काल निर्देश जारी करें।
- स्कूलों के साथ-साथ उसके आसपास भी वेक्टर जनित रोगों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाए।
- छात्र-छात्राओं को रोगों से बचाव के लिए पर्यावरणीय एवं व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित करें।
- दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जलजनित रोगों से बचाव संबंधी प्रचार-प्रसार सामग्री को स्कूलों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाए।

दरअसल, प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में हुई बरसात और जल भरावों के कारण डेंगू, मलेरिया समेत अन्य वेक्टर जनित रोगों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों के नाम पिछले दिनों एडवाइजरी जारी की है। जिसमें डेंगू-मलेरिया व अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए स्कूलों में प्रभावी कदम उठाने की सलाह दी गई है। इसी आधार पर शुक्रवार को शिक्षा विभाग ने सभी बीएसए को तत्काल इस दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। बेसिक शिक्षा निदेशक ने निर्देश में कहा है कि प्रदेश में डेंगू-मलेरिया आदि का प्रकोप तीव्रता से बढ़ रहा है लिहाजा छात्र-छात्राओं को इससे बचाव के लिए सभी अध्यापकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए कि वे सभी छात्र-छात्राओं को पूरी बांह की शर्ट एवं फुलपैंट पहन कर विद्यालय आने के निर्देश दें ताकि रोगों से उनका बचाव हो सके।

पीजीआई के डॉक्टरों ने गुर्दा कैंसर का रोबोट से किया ऑपरेशन

संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई के डॉक्टरों ने एक मरीज के गुर्दे के कैंसर का जटिल ऑपरेशन रोबोट से किया है। ट्यूमर गुर्दे से लेकर दिल को खून पहुंचाने वाली नस तक फैला हुआ था। ऑपरेशन के दौरान नस और लिवर को जोखिम हो सकता था। ऑपरेशन के चार दिन बाद मरीज को छुट्टी कर घर भेज दिया। यह ऑपरेशन यूरोलॉजी विभाग के डॉ. यूपी सिंह ने किया।

पीजीआई के यूरोलॉजी विभाग के डॉ. उदय प्रताप सिंह ने बताया कि वाराणसी निवासी 65 वर्षीय महिला रोगी गुर्दे में ट्यूमर के साथ ओपीडी में आयी थी। वाराणसी के एक बड़े अस्पताल ने रेफर किया था। जांच में ट्यूमर कैंसर युक्त निकला। कैंसर गुर्दे से लेकर दिल को खून पहुंचाने वाली नस इनफीरियर वीना कावा तक फैल हुआ था। ऑपरेशन में जोखिम था। नस इनफीरियर वीना कावा के छतिग्रस्त होने का खतरा था। नस और धमनियों में खून के थक्के जमने (थ्रोम्बस) का खतरा था। यह स्थिति रोगी के लिए जानलेवा हो सकती है। थ्रोम्बस की निगरानी के लिए इंट्रा-इसोफेगल अल्ट्रासाउंड का उपयोग किया। ऑपरेशन के दौरान लिवर की देखभाल के लिए गैस्ट्रो सर्जन डॉ. रजनीश कुमार सिंह की मदद ली। ऑपरेशन टीम में एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. संजय धीराज और डॉ. अमित रस्तोगी मौजूद रहे।

यूपी एसटीएफ ने 3 आरोपियों को पकड़ा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एसटीएफ के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। यूपी एसटीएफ ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ा है जो टेलीग्राम के माध्यम से लोगों को टास्क देता था और फिर उसे पूरा करने के लिए दोगुने रुपए देने का लालच देकर ठगी करता था। गिरोह के शातिर लोग कमीशन पर अलग-अलग बैंक के खातों का संचालन कर रुपयों को यूएसडीटी में अलग-अलग ऐप के माध्यम से कन्वर्ट कर लेता था और बाद में इन रुपयों को अपने वॉलेट में ट्रांसफर कर लेता था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यूपी एसटीएफ को कई दिनों से इस बारे में शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से मैसेज भेजकर टॉस्क देते हैं और बदले में रुपए दोगुने का लालच देते हैं। जब इस मामले में एसटीएफ ने जांच शुरु की तो पता चला कि 3 आरोपियों के खिलाफ दिसंबर 2023 में लखनऊ के साइबर थाने में 9 लाख की ठगी का मामला दर्ज है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि ये आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को मैसेज भेजते थे। मैसेज भेजकर एक टास्क पूरा करने की शर्त रखी जाती थी, फिर उसे पूरा करने पर लगाई गई रकम को दोगुने करने का लालच दिया जाता था। इतना सब होने के बाद जो भी इनके जाल में फंस जाता था, उसका ऑनलाइन अकाउंट हहपदउ.बवउ पर खुलवाया जाता था। यह शातिर लोग फिर इसी अकाउंट में लोगों से पैसा डलवाते थे। पहले जो रकम आती थी, उसे दोगुना करके डाल देते थे और बाद में बड़ी रकम आते ही खातों से सारे रुपए निकाल लेते थे। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने बताया कि इस गैंग के लोग जिन बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे, वह सब जरुरतमंद लोगों के होते थे, जिन्हें रुपयों का लालच देकर उनके नाम से खोला जाता था।

गिरफ्तार आरोपियों ने लगभग 200 से ज्यादा बैंक खाते लोगों को कमीशन के नाम पर खुलवाए थे, जिनमें ठगी की रकम डाली जाती थी। इस तरह आरोपियों ने भोले भाले लोगों को पैसे दोगुने करने का लालच देकर 8 करोड़ की ठगी की है। गिरफ्तार आरोपी प्रकाश नवल ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने साल 2014 में आईटीआई किया। उसके बाद 2016 से 2020 तक बैंकों में क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट में भी काम किया था। जिसके बाद वह 2020 से 2023 तक जयपुर में कार्यरत रहा। आरोपी ने पूछताछ में आगे बताया कि सितंबर 2023 में उसके टेलीग्राम पर एक मैसेज आया कि आपको यूपीआई पेमेंट का मल्टीनेशनल कंपनी में कलेक्शन मैनेजर के पद पर जॉब का ऑफर है, यदि काम करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। कंपनी क्रिप्टो में इन्वेस्ट करती है। आपके बैंक खाते में रुपये भेजे जाएंगे, जिसमें आप 12 प्रतिशत कमीशन काटकर ज्म्ज्भ्म्त् न्क्ज् में कन्वर्ट करके कंपनी के वॉलेट में ट्रांसफर करना होगा। आप जितने भी बैंक खाते उपलब्ध कराएंगे, उनमें प्रतिदिन 1 से 2 लाख रुपये आएंगे। जिसके बाद आरोपी ने अपने चचेरे भाई से इस बारे में बातचीत की और कहा कि अगर हम किराए के कुछ खाते मैनेज कर लें तो अच्छा फायदा हो सकता है। आरोपी की बात सुनकर उसका चचेरा भाई मोंटू इस काम के लिए तैयार हो गया। दोनों ने किराए का बैंक खाता लेकर काम करना शुरू कर दिया। ज्म्ज्भ्म्त् न्क्ज् कन्वर्ट करने का काम कैलाश चंद्र सुखेरिया द्वारा किया जाने लगा। यूपी एसटीएफ की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पैसे मंगवाने के लिए जिन बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे वे 4-5 दिनों में ब्लॉक हो जाते थे। हम लोग किराए के विभिन्न बैंक खाते प्रयोग करते थे। ऐसा करके हम लोगों ने 200 बैंक खाते किराए पर लिए, जिनमें अब तक विभिन्न चरणों में लगभग 7 से 8 करोड़ रुपये आए हैं, जिनको हम तीनों मिलकर अपना कमीशन काटकर ज्मजीमत न्क्ज् कन्वर्ट कर कंपनी के वॉलेट में ट्रांसफर कर दिए।

कंडम 130 सीएनजी बसें हटाकर इलेक्ट्रिक चलेंगी

संवाददाता

लखनऊ। दैनिक यात्रियों की सुरक्षा के लिए अनफिट सीएनजी सिटी बसें सड़क से हटेंगी। इनकी उम्र पूरी होने के साथ कंडम स्थिति में पहुंच चुकी हैं। ऐसी 130 सिटी बसें गोमतीनगर, दुबग्गा डिपो से संचालित हो रही हैं। शहर के 22 मार्गों पर चल रही इन बसों को 15 अगस्त तक धीरे-धीरे कर हटाया जाएगा। इनके बदले में पूर्व में प्रस्तावित 125 इलेक्ट्रिक बसें बेड़े में शामिल कर यात्रियों को सुविधाएं दी जाएंगी।

सीएम के आदेश के बाद सड़कों पर दौड़ रही अनफिट बसों को हटाया जा रहा है। सीएम के इस फरमान के बाद परिवहन विभाग ने आनन-फानन में दो डिपो के एआरएम की बैठक बुलाकर सीएनजी सिटी बसों को नीलामी की सूची में डालकर हटाने के लिए निर्देश सिटी ट्रांसपोर्ट एमडी ने दिए। इन बसों के हटने से करीब 20 हजार दैनिक यात्रियों का सफर प्रभावित होगा।

अनफिट सीएनजी सिटी बसें कर रहीं हादसे: लखनऊ की सड़कों पर दौड़ रही सीएनजी सिटी बसें अक्सर हादसे कर रही हैं। एक वर्ष के दौरान 17 बसें आग लगने, ब्रेक फेल होने, इंजन में गड़बड़ी जैसी समस्याओं के चलते हादसे कर चुकी हैं। ऐसे में सड़क से इन्हें हटाकर यात्रियों के सफर को सुरक्षित करना है।

2005 में भर्ती संविदा ड्राइवर-कंडक्टरों की मुश्किलें बढ़ीं: परिवहन निगम में संविदा पर तैनात ड्राइवर-कंडक्टर 2005 में महानगर परिवहन सेवा में भेज दिए गए। सैकड़ों चालक परिचालक संविदा पर नौकरी कर रहे हैं। अब सीएनजी बसों के हटने के बाद संविदा ड्राइवर कंडक्टरों की मुश्किलें बढ़ गई है। इन्हें रोडवेज में वापस भेजने का फरमान जारी कर दिया गया। इसके लिए नए सिरे से संविदा पर धरोहर धनराशि जमा कर अनुबंध करना पड़ेगा, जिसका ड्राइवर-कंडक्टरों ने विरोध शुरू कर दिया गया है।

> अनफिट बसें सड़क पर नहीं चलेंगी। उम्र पूरी कर चुकी सीएनजी सिटी बसों को तब हटाया जाएगा। इसके लिए दोनों डिपो के एआरएम को दिशा निर्देश दिए गए हैं। 15 अगस्त तक सभी बसें सड़क से हट जाएंगी। बदले में नगरीय परिवहन की ओर से ई-बसें चलाकर यात्रियों को सुविधा दी जाएगी।
>
> **आरके त्रिपाठी, प्रबंध निदेशक, लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट**

राष्ट्रीय भागीदारी दिवस 26 को

लखनऊ। अल्पसंख्यक कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस और फिशरमैन कांग्रेस की ओर से 26 जुलाई को संयुक्त तौर पर राष्ट्रीय भागीदारी दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर होगा। यह जानकारी अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज़ आलम ने दी। उन्होंने बताया कि छत्रपति शाहू जी महाराज ने कोल्हापुर रियासत में 26 जुलाई 1902 को 50 प्रतिशत आरक्षण का आदेश जारी किया था, जिसके कारण पिछड़ों और दलितों को नौकरियों में आरक्षण मिल पाया था। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक दिन की वर्षगांठ पर राष्ट्रीय भागीदारी दिवस मनाकर राहुल गांधी की जातिगत जनगणना कराने और आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की पाबंदी को हटाने की मांग को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेंगे।

ऑपरेशन की सफलता में टेक्नीशियन की भूमिका अहम

संवाददाता

लखनऊ। ऑपरेशन की सफलता दर में एनस्थीसिया और ओटी टेक्नीशियन की भूमिका अहम है। मरीज की देखभाल से लेकर उपकरणों के रखरखाव में टेक्नीशियन की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह बातें केजीएमयू के सीएमएस डॉ. बीके ओझा ने कही।

वह शनिवार को केजीएमयू के शताब्दी फेस दो के प्रेक्षागृह में नेशनल एनेस्थीसिया व ओटी टेक्नोलॉजिस्ट दिवस पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। सीएमएस डॉ. बीके ओझा ने कहा कि एनस्थीसिया टेक्नीशियन ऑपरेशन के बाद मरीज के शरीर के सारे पैरामीटर की निगरानी करते हैं। शरीर में होने वाली हरकतों को देखते हुए। इमरजेंसी में उसे दूर करने का प्रयास करते हैं। जबकि ओटी टेक्नीशियन उपकरणों का

सम्पादकीय

कांवड़ यात्रा से पहले विवादास्पद फैसला

उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुजफ्फरनगर और पश्चिमी यूपी के अन्य इलाकों में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल, ठेले पर फल या अन्य खाने-पीने का सामान बेचने वाले लोगों से मालिक और कर्मचारियों के नाम लिखकर लगाने को कहा है। और कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इस विवादास्पद फैसले को वापस नहीं लिया गया है। कांवड़ यात्रा को लेकर पहले भी कई किस्म के धार्मिक पूर्वाग्रह देखे जा चुके हैं। जैसे कांवड़ यात्रा के लिए करीब 33 हजार पेड़ों को काटने का फैसला लिया गया, ताकि सड़क चौड़ी हो और श्रद्धालुओं को सुविधा हो। जब पेड़ों के काटे जाने पर विरोध दर्ज कराया गया तब राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने उन इलाकों की सेटेलाइट तस्वीर मांगी, जहां पेड़ काटे गए। लेकिन इस कार्रवाई से हरियाली पर चली कुल्हाड़ी बेअसर तो नहीं हुई। इसी तरह कुछ समय पहले कांवड़ियों पर यूपी के एक डीजीपी ने सरकारी हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए थे, जो सरासर प्रशासनिक दायित्व और नैतिकता का उल्लंघन था। सरकार और प्रशासन की ओर से लिए गए इन फैसलों को मानिसक दिवालियापन की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन अब जो फैसला लिया है, वह खुली चेतावनी दे रहा है कि भारत तेजी से नाजी दौर वाली जर्मनी के युग में धकेला जा रहा है। पाठकों को याद दिला दें कि जर्मन तानाशाह हिटलर के प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स ने मई 1938 में जर्मन यहूदियों के लिए श्सामान्य पहचान चिह्नश् का सुझाव दिया था। जिसके बाद नाजी अधिकारियों ने 1939 और 1945 के बीच यहूदियों को पीले सितारे वाले बैज को लगाने का आदेश दिया था, ताकि उन्हें अलग से पहचाना जा सके और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए। जो यहूदी अपनी पहचान बताने वाले बैज को नहीं पहनता था, उसे अपमानित और दंडित किया जाता था। पहचान के नाम पर नागरिकों में भेद करने का जो काम सौ साल पहले जर्मनी में हुआ, क्या वैसे ही किसी कृत्य के लिए आज के भारत में कोई स्थान होना चाहिए, यह एक गंभीर सवाल है, जिस पर सभी लोगों को विचार करना चाहिए। वैसे उप्र पुलिस के इस आदेश की निंदा होनी शुरु हो चुकी है। अखिलेश यादव और असद्दुदीन ओवैसी जैसे नेताओं ने इसकी भर्त्सना की है। माननीय न्यायालय से यह अपेक्षा जतलाई गई है कि वह इस संबंध में स्वतः संज्ञान लेगी। हालांकि उप्र पुलिस ने इस फैसले के पक्ष में दलील दी है कि यात्रियों को श्किसी भी भ्रम से बचने के लिएश् ये निर्देश कांवड़ यात्रा रूट के लिए खासतौर पर जारी किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ताकि कांवड़ियों के बीच कोई भ्रम न हो और भविष्य में कोई आरोप न लगे, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा हो। पुलिस ने दावा किया कि हर कोई अपनी मर्जी से इसका पालन कर रहा है। एक लचर तर्क यह भी दिया गया है कि इस आदेश का इरादा किसी भी प्रकार का श्धार्मिक भेदभावश् पैदा करना नहीं था, बल्कि केवल भक्तों को सुविधा देना था। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि, श्अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कांवड़ मार्ग पर सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ बेचने वाले कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों का नाम इस तरह रखा, जिससे कांवड़ियों के बीच भ्रम पैदा हुआ और कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। अब सवाल यह है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की है या दुकानदारों की। इस देश का संविधान किसी को भी अपनी मर्जी का नाम रखने से नहीं रोकता है, फिर चाहे वह संतान का नाम हो या दुकान का। और अगर धर्म का पालन करने के नाम पर कांवड़ लेकर निकल रहे लोगों में इतनी समझ और सहनशक्ति नहीं है कि वह किसी के नाम से ही आहत हो जाएं तो फिर उनके धार्मिक होने पर ही संदेह है। अगर किसी को दूसरे धर्म के लोगों से खाद्य सामग्री खरीदने में धर्मभ्रष्ट होने का खतरा दिखता है, तो फिर ऐसे संकुचित मानसिकता के लोगों को यह भी पता कर लेना चाहिए कि जिस सड़क पर वो चलेंगे, उसे बनाने वाले कौन से धर्म के थे, जिन कपड़ों को वे पहनेंगे, उसका धागा कहां से आया, जिस कांवड़ को वे ढोएंगे, उसे किस जाति, धर्म के लोगों ने बनाया। रास्ते में जिन शामियानों के नीचे वो आराम करने बैठेंगे या जिन लाउड स्पीकरों पर वे तेज आवाज में अपनी भक्ति का प्रदर्शन करेंगे, उसे किन लोगों ने बनाया है। केवल विधर्मी दुकानदारों से सामान न खरीद कर क्या होगा, धर्मांधता का पालन करना है तो फिर सारे मापदंडों के साथ करें। यह देखना दुखद है कि यह धर्मांधता अब राज्य प्रायोजित हो चुकी है। कोरोनाकाल में तब्लीगी जमात के लोगों पर पहले कोरोना के प्रसार का इल्जाम लगाया गया, तब अस्पतालों में इसी तरह की शिनाख्त का सिलसिला शुरु हुआ। उसी दौरान अल्पसंख्यकों के आर्थिक बहिष्कार के कई उदाहरण सामने आए। तब भी इन कार्यों की निंदा हुई, लेकिन छोटे पैमाने पर और समाज ने तब सरकार से इस नफरती कारोबार का हिसाब नहीं मांगा।

बिलकुल उचित है योगी सरकार का फैसला

"हिंदू देवी देवताओं के नाम पर दुकान का नाम रखकर यहाँ नॉन वेज परोसा जाता है। इसको लेकर लंबे समय से विवाद भी चल रहा है, खासकर ऐसे दुकानदारों से उन लोगों को तब ज्यादा समस्या होती है जब वह अपने धार्मिक आयोजनों जैसे कावड़ यात्रा पर निकालते हैं, जिस दौरान भक्त अपने खान पान का विशेष ध्यान रखते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें खाना खाने के बाद पता चलता है कि जिन देवी देवताओं के नाम पर दुकान चल रही थी, वह दूसरे धर्म का था।सावन का महीना शुरू होने वाला है।

अशोक भाटिया

देश के अलग अलग हिस्सों में छोटे व्यापारियों खासकर खाने पीने का सामान बेचने वाले दुकानदारों के बीच एक अलग ही ट्रेंड चल रहा है कई दुकान अपना धर्म छुपा कर और दूसरे धर्म के देवी देवताओं और नाम की आड़ लेकर धंधा करने लगे हैं। कोई अपनी दुकान का नाम हिंदू देवी देवताओं के नाम पर रख लेता है तो कोई तिलक लगाकर और भगवा गमछा पहनकर यात्रियों को गुमराह करता है। हिंदू देवी देवताओं के नाम पर दुकान का नाम रखकर यहाँ नॉन वेज परोसा जाता है। इसको लेकर लंबे समय से विवाद भी चल रहा है, खासकर ऐसे दुकानदारों से उन लोगों को तब ज्यादा समस्या होती है जब वह अपने धार्मिक आयोजनों जैसे कावड़ यात्रा पर निकालते हैं, जिस दौरान भक्त अपने खान पान का विशेष ध्यान रखते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें खाना खाने के बाद पता चलता है कि जिन देवी देवताओं के नाम पर दुकान चल रही थी, वह दूसरे धर्म या संप्रदाय का था।सावन का महीना शुरू होने वाला है। इसी दौरान शिव भक्त कावड़ लेकर प्रदेश की प्रसिद्ध नदियों का गंगाजल लेकर अपने क्षेत्रीय शिवालयों में चढ़ाने के लिए निकल पड़े हैं।इसीलिए पहले उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों पर नेमप्लेट वाला नियम लागू किया गया था पर आज की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के अनुसार यह नियम अब पूरे प्रदेश में लागू होगा। प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों के मालिकों को नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि कांवड़ मार्गों पर खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानों पर संचालक मालिक का नाम और पहचान लिखना होगा। कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए ये फैसला लिया गया है। हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कार्रवाई की बात कही गई है।

वैसे 22 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा से पहले मुजफ्फरनगर जिले के सभी दुकानदारों, ढाबों, फल विक्रेताओं और चाय की दुकानों ने प्रशासन के निर्देशानुसार अपने प्रतिष्ठानों या वेंडिंग ठेलों पर मालिकों या कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि इस निर्देश का उद्देश्य धार्मिक यात्रा के दौरान भ्रम से बचना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। लेकिन प्रशासन के इस कदम से तुष्टिकरण के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन सहित लेफ्ट लिबरल गैंग को मिर्ची लग गई। यहां तक कि इस पहल को विवाद बनाने में जावेद अख्तर जैसे बुद्धिजीवी भी कूद पड़े हैं। जावेद अख्तर ने इसकी तुलना जर्मनी के नाजी शासन से कर डाली और कहा कि

नाजी शासन में दुकानों पर निशान लगते थे। इनका दोगलापन देखिए कि खुद के लिए 'हलाल' सिस्टम चाहिए, लेकिन कांवड़ रूट पर 'पहचान' सिस्टम से भी परेशानी हो रही है।दिलचस्प बात यह है कि हिंदू अगर हलाल सर्टिफिकेट का खाने को मना कर दे तो सेक्यूलरिज्म ख़तरे में हो जाता है। हिंदू अगर थूका हुआ खाने को मना कर दे तो भी सेक्यूलरिज्म ख़तरे में आ जाता है। यह समझ से परे है कि अपनी पहचान बताने में क्या हर्ज है ? क्या विपक्ष और लेफ्ट लिबरल कुतर्क की राजनीति नहीं कर रहे हैं? जब एक समुदाय के लोग कहते हैं कि हमें खाने पीने की चीजों पर हलाल मार्का चाहिए ताकि हमें पता चले कि हम जो खा रहे हैं क्या खा रहे हैं किसके यहां का खा रहे हैं। लेकिन जब यही बात दूसरे समुदाय के लोग करते हैं तब उनके पेट में मरोड़ उठने लगती है, यह दोगलापन है।गौरतलब है उत्तरप्रदेश में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिले में कांवड़ियों की ओर से लिए जाने वाले मार्गों की कुल लंबाई करीब 240 किलोमीटर है। इन मार्गों पर स्थित सभी भोजनालयों पर मालिकों या कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित होना चाहिए। प्रशासन के आदेशानुसार होटल हों, ढाबे हों या ठेले हों, जहां से कांवड़िए खाद्य सामग्री खरीदते हैं, उनके लिए आदेश जारी किया गया। अब उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखंड की धामी सरकार ने भी फैसला किया है कि कांवड़ के रास्ते में पड़ने वाले दुकानदारों को अपना असली नाम का बोर्ड लगाना होगा।

बताया जाता है कि पिछले वर्ष कावड़ यात्रा के समय मुजफ्फरनगर के बघरा में स्थित आश्रम के संचालक स्वामी यशवीर महाराज ने राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर स्थित होटल ढाबो के मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा हिंदू देवी देवताओं के नाम पर आधारित नाम रखने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। इस बार भी स्वामी यशवीर महाराज ने प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर मुस्लिम होटल संचलको के नाम मोटे अक्षरों में अंकित करने की मांग की थी। हाल ही में मुजफ्फरनगर के विधायक और उत्तरप्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने एक जिला स्तरीय बैठक में कहा कि मुसलमानों को किसी भी विवाद से बचने के लिए हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर अपनी दुकानों का नाम नहीं रखना चाहिए। जिला प्रशासन ने मंत्री की चिंता पर ध्यान दिया और पुलिस को कुछ शिकायतें भी मिली थीं। इसी को मद्देनजर रखते हुए निर्देश जारी किए।

ध्यान देने योग्य यह बात है कि सहारनपुर में जनता वैष्णो ढाबा, आगरा-मथुरा रोड पर खाटू श्याम ढाबा, बरेली में चौधरी स्वीट्स, हरिद्वार रोड पर न्यू गणपति टूरिस्ट ढाबा नंबर-1, मुजफ्फरनगर में ओम शिव वैष्णो ये सभी दुकान पहचान बदलकर खोले गए हैं। इनके मालिक मुसलमान हैं। बिहार में उजियार आलम ने अपना नाम अर्जुन सिंह बताकर दुकान खोली और हिंदू लड़कियों को काम पर रखने लगा। उसका मकसद लड़कियों को लव जिहाद में फंसाकर धर्मांतरण करना बताया जाता है । इस काम के लिए उसे जरूर कहीं से पैसे मिलते होंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।आखिर इन पर लोग कैसे विश्वास करे। आजकल सोशल मीडिया अलग-अलग शहरों के अनेक वीडियो वायरल हो रहे होते हैं जहां इस समुदाय के लोग थूक जिहाद कर रहे होते हैं। फलों में थूक लगाकर पैक करते हैं। सैलून में थूक मिलाकर फेस मसाज करते हैं। गंदी नालियों में सब्जियों को धोते हैं। समोसे में गाय मांस मिलाकर बेचते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण वीडियो प्रमाण के साथ सोशल मीडिया पर घूमा करते हैं।

सरोकार

राहुल गांधी का हिन्दू धर्म बनाम आरएसएस का हिंदुत्व

राम पुनियानी

लोकसभा के हालिया (2024) चुनावों के परिणामों ने संसद को बहस और चर्चा का सार्थक मंच बना दिया है। वहां अब प्रतिपक्ष की आवाज भी सुनाई देती है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न चुनौतियों और समस्यायों पर चर्चा की। उनके भाषण के एक हिस्से में उन्होंने हिन्दू धर्म की प्रकृति और चरित्र पर भी बात की। उनके भाषण का यह हिस्सा शायद सदन की कार्यवाही से विलोपित कर दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि- हिन्दू धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। भारत, अहिंसा का देश है, भय का नहीं। हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा का आचरण करने और भय पर विजय प्राप्त करने की बात कही है।श् फिर, भाजपा सदस्यों की ओर इशारा करने हुए उन्होंने कहा, जो लोग स्वयं को हिन्दू कहते हैं, वे दिन-रात हिंसा और नफरत की बात करते हैं और असत्य बोलते हैं।श

उसके बाद से राहुल के कथन के खिलाफ साधुओं ने कई विरोध प्रदर्शन किए और अहमदाबाद में कांग्रेस के कार्यालय पर हमला हुआ। संघ परिवार यह झूठ फैला रहा है कि राहुल ने सभी

हिन्दुओं को हिंसक कहा है। राहुल ने इसके उलट यह साफकिया है कि उनकी दृष्टि में हिन्दू धर्म सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित है। संघ के नेता कह रहे हैं कि नेहरु से लेकर राहुल गांधी तक सभी की विचारधारा का जमीनी यथार्थ से कोई लेना-देना नहीं रहा है। उनके अनुसार, नेहरु-गांधी परिवार के सभी नेता केवल अपना वोट बैंक बचाने की जुगत में अल्पसंख्यकों से जुड़े मसले उठाते रहे हैं। इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने हिन्दू धर्म को मानवतावाद से जोड़ने के राहुल गांधी के प्रयास का समर्थन किया है। कई सालों से देश में हिन्दू धर्म और हिंदुत्व ये दोनों शब्द इस्तेमाल किये जा रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि राहुल गांधी का हिन्दू धर्म ही उनका हिंदुत्व है। आरएसएस ने कर्ताधर्ता नेहरु की इसलिए भी आलोचना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा शुरू किये गए साम्प्रदायिकता विरोधी अभियान के निशाने पर आरएसएस था। वे नेहरु के इसलिए भी खिलाफहैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के हाथों सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन का विरोध किया है। संघ कहता है कि उसका हिंदुत्व, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुखर्जी के विचारों पर आधारित है। सच यह है कि संघ की विचारधारा का दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के विचारों से कोई लेना-देना नहीं हैं। संघ केवल उन दोनों के नामों का इस्तेमाल लर अपनी विचारधारा को स्वीकार्य बनाने की कोशिश कर रहा है। हिन्दू धर्म किसी पैगम्बर पर आधारित नहीं है और इसलिए उसकी अलग-अलग ढंग से व्याख्याएं की जाती रही हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथों में श्हिन्दूश् नहीं है। वेदों, उपनिषदों, गीता और मनुस्मृति में कहीं भी यह शब्द नहीं है। इस शब्द का इस्तेमाल सिन्धु नदी के पश्चिम में रहने वाले इस विशाल नदी के पूर्व में रहने वालों के लिए प्रयुक्त करते थे। चूंकि वे स का उच्चारण ह करते थे इसलिए सिन्धु शब्द हिन्दू बन गया। अतरू हिन्दू शब्द का मूल अर्थ था सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि पर रहने वाले सभी लोग। इस विशाल भूभाग में मुख्यतः वैदिक धर्म (जिसे हम ब्राह्मणवाद भी कह सकते हैं), आजीवक, तंत्र, नाथ, शैव, बौद्ध व जैन परम्पराएं प्रचलित थीं। बाद में जैन व बौद्ध धर्मों को छोड़कर, इन सभी परम्पराओं का मिश्रण हिन्दू धर्म कहलाने लगा। ब्राह्मणवाद के अलावा अन्य सभी परम्पराएं श्श्रमणश् कहलाती थीं।ब्राह्मणवाद और श्रमणवाद में मुख्य अंतर यही था कि ब्राह्मणवाद में जाति प्रथा थी जबकि श्रमणवाद में नहीं थी। हिन्दू धर्म शब्द के उदय के बारे में इतिहासविद डी.एन. झा ने भारतीय इतिहास कांग्रेस, 2006, में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा था कि, श्यह बिलकुल सही है कि यह शब्द (हिन्दू), पूर्व-औपनिवेशिक भारत में प्रचलित था। मगर ब्रिटिश अध्येताओं ने 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में इस शब्द का उपयोग करना शुरू किया और धीरे-धीरे यह व्यापक रूप से प्रयुक्त होने लगा।

कांवड़ यात्रा से पहले विवादास्पद फैसला

उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुजफ्फरनगर और पश्चिमी यूपी के अन्य इलाकों में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल, ठेले पर फल या अन्य खाने-पीने का सामान बेचने वाले लोगों से मालिक और कर्मचारियों के नाम लिखकर लगाने को कहा है। और कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इस विवादास्पद फैसले को वापस नहीं लिया गया है। कांवड़ यात्रा को लेकर पहले भी कई किस्म के धार्मिक पूर्वाग्रह देखे जा चुके हैं। जैसे कांवड़ यात्रा के लिए करीब 33 हजार पेड़ों को काटने का फैसला लिया गया, ताकि सड़क चौड़ी हो और श्रद्धालुओं को सुविधा हो। जब पेड़ों के काटे जाने पर विरोध दर्ज कराया गया तब राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने उन इलाकों की सेटेलाइट तस्वीर मांगी, जहां पेड़ काटे गए। लेकिन इस कार्रवाई से हरियाली पर चली कुल्हाड़ी बेअसर तो नहीं हुई। इसी तरह कुछ समय पहले कांवड़ियों पर यूपी के एक डीजीपी ने सरकारी हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए थे, जो सरासर प्रशासनिक दायित्व और नैतिकता का उल्लंघन था। सरकार और प्रशासन की ओर से लिए गए इन फैसलों को मानिसक दिवालियापन की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन अब जो फैसला लिया है, वह खुली चेतावनी दे रहा है कि भारत तेजी से नाजी दौर वाली जर्मनी के युग में धकेला जा रहा है। पाठकों को याद दिला दें कि जर्मन तानाशाह हिटलर के प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स ने मई 1938 में जर्मन यहूदियों के लिए श्सामान्य पहचान चिह्नश् का सुझाव दिया था। जिसके बाद नाजी अधिकारियों ने 1939 और 1945 के बीच यहूदियों को पीले सितारे वाले बैज को लगाने का आदेश दिया था, ताकि उन्हें अलग से पहचाना जा सके और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए। जो यहूदी अपनी पहचान बताने वाले बैज को नहीं पहनता था, उसे अपमानित और दंडित किया जाता था। पहचान के नाम पर नागरिकों में भेद करने का जो काम सौ साल पहले जर्मनी में हुआ, क्या वैसे ही किसी कृत्य के लिए आज के भारत में कोई स्थान होना चाहिए, यह एक गंभीर सवाल है, जिस पर सभी लोगों को विचार करना चाहिए। वैसे उप्र पुलिस के इस आदेश की निंदा होनी शुरु हो चुकी है। अखिलेश यादव और असद्दुदीन ओवैसी जैसे नेताओं ने इसकी भर्त्सना की है। माननीय न्यायालय से यह अपेक्षा जतलाई गई है कि वह इस संबंध में स्वतः संज्ञान लेगी। हालांकि उप्र पुलिस ने इस फैसले के पक्ष में दलील दी है कि यात्रियों को श्किसी भी भ्रम से बचने के लिएश् ये निर्देश कांवड़ यात्रा रूट के लिए खासतौर पर जारी किए गए हैं। पुलिस का कहना है

कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ताकि कांवड़ियों के बीच कोई भ्रम न हो और भविष्य में कोई आरोप न लगे, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा हो। पुलिस ने दावा किया कि हर कोई अपनी मर्जी से इसका पालन कर रहा है। एक लचर तर्क यह भी दिया गया है कि इस आदेश का इरादा किसी भी प्रकार का श्धार्मिक भेदभावश् पैदा करना नहीं था, बल्कि केवल भक्तों को सुविधा देना था। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि, श्अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कांवड़ मार्ग पर सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ बेचने वाले कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों का नाम इस तरह रखा, जिससे कांवड़ियों के बीच भ्रम पैदा हुआ और कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। अब सवाल यह है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की है या दुकानदारों की। इस देश का संविधान किसी को भी अपनी मर्जी का नाम रखने से नहीं रोकता है, फिर चाहे वह संतान का नाम हो या दुकान का। और अगर धर्म का पालन करने के नाम पर कांवड़ लेकर निकल रहे लोगों में इतनी समझ और सहनशक्ति नहीं है कि वह किसी के नाम से ही आहत हो जाएं तो फिर उनके धार्मिक होने पर ही संदेह है।अगर किसी को दूसरे धर्म के लोगों से खाद्य सामग्री खरीदने में धर्मभ्रष्ट होने का खतरा दिखता है, तो फिर ऐसे संकुचित मानसिकता के लोगों को यह भी पता कर लेना चाहिए कि जिस सड़क पर वो चलेंगे, उसे बनाने वाले कौन से धर्म के थे, जिन कपड़ों को वे पहनेंगे, उसका धागा कहां से आया, जिस कांवड़ को वे ढोएंगे, उसे किस जाति, धर्म के लोगों ने बनाया।

रास्ते में जिन शामियानों के नीचे वो आराम करने बैठेंगे या जिन लाउड स्पीकरों पर वे तेज आवाज में अपनी भक्ति का प्रदर्शन करेंगे, उसे किन लोगों ने बनाया है। केवल विधर्मी दुकानदारों से सामान न खरीद कर क्या होगा, धर्मांधता का पालन करना है तो फिर सारे मापदंडों के साथ करें। यह देखना दुखद है कि यह धर्मांधता अब राज्य प्रायोजित हो चुकी है। कोरोनाकाल में तब्लीगी जमात के लोगों पर पहले कोरोना के प्रसार का इल्जाम लगाया गया, तब अस्पतालों में इसी तरह की शिनाख्त का सिलसिला शुरु हुआ। उसी दौरान अल्पसंख्यकों के आर्थिक बहिष्कार के कई उदाहरण सामने आए।

नजरिया

सर्वोच्च न्यायालय में मनी बिल को चुनौती

के रवींद्रन

अगर आधार एक पैसे का मामला है, तो किसी भी चीज का मतलब कुछ भी हो सकता है। यह उन प्रमुख दुविधाओं में से एक होगी, जिस पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संवैधानिक पीठ विचार करेगी, जब वह विवादास्पद विधेयकों को आगे बढ़ाने में विधायी बाधाओं को दूर करने के लिए मोदी सरकार द्वारा मनी बिल वाले मार्ग के अनुचित इस्तेमाल के खिलाफ याचिकाओं पर विचार-विमर्श शुरू करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने इस सप्ताह फैसला किया कि समय आ गया है कि विद्वान न्यायाधीश काम पर लग जाएं, क्योंकि पिछले साल अक्टूबर में जब से बेंच की घोषणा की गयी थी, तब से बेंच लगभग निष्क्रिय रही है। यह मुद्दा भारतीय संविधान की धारा110 की व्याख्या और अनुप्रयोग पर केंद्रित है, जो परिभाषित करता है कि मनी बिल क्या होता है। धन विधेयक, सामान्य विधेयकों के विपरीत, राज्यसभा की स्वीकृति के बिना पेश और पारित किये जा सकते हैं, जिससे विपक्ष के प्रभुत्व वाले उच्च सदन की जांच और संभावित अवरोध को

प्रभावी ढंग से दरकिनार किया जा सकता है। सरकार ने आधार कानून को धन विधेयक के दायरे में लाने के लिए कमजोर वर्गों को प्रभावी सब्सिडी प्रदान करने के साधन के रूप में आधार की एक दूरगामी परिभाषा प्रदान की थी। लेकिन इसने व्यापक रूप ने लोगों को चौंका दिया था। विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों सहित आलोचकों का तर्क है कि सरकार संसदीय निगरानी से बचने और जल्दबाजी में कानून बनाने पर रोक लगाने के लिए राज्यसभा की भूमिका को कमजोर करने के उद्देश्य से धन विधेयक प्रावधान का दुरुपयोग कर रही है। उनका तर्क है कि धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत कई विधेयक संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं और राज्यसभा में विपक्ष को दरकिनार करने के लिए उन्हें गलत तरीके से वर्गीकृत किया गया है। उनका तर्क है कि यह प्रथा लोकतांत्रिक विचार-विमर्श और विधायी जांच के सिद्धांतों को नष्ट करती है जो मजबूत और अच्छी शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं। राज्यसभा में विधायी गतिरोध का सामना कर रही मोदी सरकार ने प्रमुख सुधारों और ऐतिहासिक कानूनों को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से इस मार्ग की ओर रुख किया है। जहां तक भाजपा और मोदी सरकार का सवाल है, स्थिति एक कीचड़युक्त अतीत से और अधिक कीचड़ वाले भविष्य की ओर इशारा करती है। राज्यसभा में भाजपा की ताकत घटकर 86 रह गयी है, जिससे एनडीए की विधायी क्षमता प्रभावित हुई है। अन्य सहयोगियों को शामिल करने पर, ताकत बढ़कर केवल 101 रह जाती है। इसका उच्च सदन में विवादास्पद विधेयकों के पारित होने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, सरकार को लगातार राज्य चुनावों के बाद बढ़ते विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जहां विपक्षी दलों ने अपनी सीटों की संख्या में वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की है। कम ताकत और महत्वपूर्ण मुद्दों पर बढ़ती विपक्षी एकता के साथ, सरकार को विवादास्पद तरीकों का सहारा लिए बिना विधायी जनादेश हासिल करने में एक कठिन कार्य का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकारी आदेशों और अध्यादेशों के माध्यम से शासन की प्रभावकारिता और वैधता पर भी इस संदर्भ में सवाल उठाये गये हैं, जिससे लोकतांत्रिक शासन और संसदीय जवाबदेही के बारे में चिंताएं बढ़ गयी हैं। विभिन्न हितधारकों द्वारा दायर याचिकाओं में धन विधेयक लेबल के तहत पारित विधेयकों की वैधता पर सवाल उठाया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस तरह का वर्गीकरण मनमाना था और राज्यसभा में बहस और संशोधन से बचने के लिए बनाया गया था। ये याचिकाएँ विशिष्ट विधायी उदाहरणों को उजागर करती हैं, जहां कराधान और वित्त से संबंधित विवादास्पद विधेयकों को वित्तीय मामलों से परे उनके व्यापक निहितार्थों के बावजूद धन विधेयक के रूप में पारित किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कानूनी चुनौती केवल संवैधानिक प्रावधानों की तकनीकी व्याख्या के बारे में नहीं है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए व्यापक निहितार्थों के बारे में भी है। यह कार्यपालिका और विधायी शाखाओं के बीच शक्तियों के संतुलन और संवैधानिक सिद्धांतों को बनाये रखने में न्यायिक निगरानी की भूमिका के बारे में मौलिक प्रश्न उठाता है। इन चुनौतियों के जवाब में, सरकार ने विधायी गतिरोध को दूर करने और महत्वपूर्ण सुधारों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में धन विधेयक मार्ग के अपने उपयोग का बचाव किया है। यह तर्क देता है कि विधेयकों को धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत करना कानूनी सलाह और संसदीय परम्परा के अनुसार किया गया था, जो आर्थिक और राजकोषीय नीति के मामलों में शीघ्र निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल देता है। इन याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम फैसले का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है क्योंकि इसमें भविष्य की विधायी प्रथाओं और संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या के लिए एक मिसाल कायम करने की क्षमता है। तात्कालिक कानूनी निहितार्थों से परे, इस मामले का भारत के लोकतांत्रिक शासन, न्यायिक स्वतंत्रता और सरकार की विभिन्न शाखाओं के बीच शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

नकली बीज को लेकर भाकियू ने सीएम को भेजा पत्र

छिबरामऊ, कन्नौज। बीज भंडारो पर हो रही नकली बीज की बिक्री के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन बलराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश व प्रदेश अध्यक्ष की अनुमति से प्रदेश महामंत्री राहुल शाक्य ने एक पत्र डाक द्वारा मुख्यमंत्री को भेजा है। शिकायती पत्र में कहा गया है कि किसानों के साथ हो रहा उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगे। कई बीज भंडारों द्वारा कालाबाजारी की जा रही है और क्षेत्र में नकली मक्का का बीज किसानों को बेचा जा रहा है और कहा जा रहा है इस बीज से अच्छी पैदावार होगी, लेकिन जब मक्का तैयार हुई तो उसमें एक भी दाना नहीं पड़ा। ग्राम कपूरपुर स्थित एक खेत में मक्का की फसल को छीलकर देखा गया तो सिर्फ एक दो दाने दिखाई दिए। जब किसान ने दुकानदार से शिकायत की तो उसने मामले को टालने का प्रयास करते हुए कंपनी से कहने की बात कही। 20 दिन होने के बाद भी कंपनी का कोई कर्मचारी या अधिकारी नहीं आया। संगठन का कहना है अगर किसानों का उत्पीड़न इसी तरीके से होगा तो विशाल धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

कूलर का तार लगाते समय करंट से युवक झुलसा

छिबरामऊ, कन्नौज। मोहल्ला सैयदवाड़ा निवासी युवक कूलर का तार लगाते समय करंट की चपेट में आकर झुलस गया। परिजनों ने उसे उपचार के लिए सौ शैयाअस्पताल में भर्ती कराया। नगर के मोहल्ला सैयदवाड़ा निवासी नसीम का 22 वर्षीय पुत्र फारूख अपने घर में कूलर का प्लग लगा रहा था। तभी किसी प्रकार करंट की चपेट में आकर वह झुलस गया। आनन फानन में परिजनों ने उसे उपचार के लिए सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया। यहां कुछ देर चले प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ।

ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो सवार ग्रामीण की मौत

छिबरामऊ, कन्नौज। ग्राम महमूदपुर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो सवार ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए सौ शैया अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार जनपद मैनपुरी के ग्राम बिछवा निवासी 65 वर्षीय विजेंद्र पुत्र नाथू सिंह गुरुवार को छिबरामऊ किसी काम के लिए आए थे। यहां से टेंपो पर सवार होकर विशुनगढ़ की तरफ जा रहे थे। तभी ग्राम महमूदपुर के पास दोनों वाहनों की भिड़ंत हो गई। घटना में विजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया। यहां कुछ देर चले प्राथमिक उपचार के दौरान हालत में सुधार न देख तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया।

ट्रैक्टर का हैरो दीवार में लगने के विरोध पर महिला से मारपीट

छिबरामऊ, कन्नौज। ग्राम रौरी में हैरो लगा ट्रैक्टर घर से निकलते समय एक मकान की दीवार में रगड़ गया। इसका विरोध करने पर ट्रैक्टर चालक ने महिला के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। सिकंदरपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम रौरी निवासी राधा देवी पत्नी जगदेव सिंह ने बताया कि गुरुवार को गांव के ही निवासी एक व्यक्ति हैरो लगा ट्रैक्टर लेकर निकल रहा था। ट्रैक्टर का हैरो एक दीवाल पर रगड़ गया, जिसका विरोध करने पर ट्रैक्टर चालक ने उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

विद्युत वितरण उप खंड की जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास

छिबरामऊ, कन्नौज। पूर्वी बाईपास स्थित विद्युत वितरण उप खंड की जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास करके निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इस मामले की शिकायत उपखंड अधिकारी ने जिलाधिकारी से करके अवैध निर्माण तत्काल रुकवाने की मांग की है। जिलाधिकारी को लिखे पत्र में उपखंड अधिकारी ने कहा है कि विद्युत वितरण उपखंड के अंतर्गत 33/11 केवी उपकेंद्र प्रथम स्थापित है। इसकी जमीन पर कुछ अज्ञात लोगों द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा है जो माननीय उच्च न्यायालय में वाद संख्या 273/2023 के अंतर्गत लंबित एवं विचाराधीन है। अतः उपरोक्त कार्य अति शीघ्र रुकवाने की कृपा करें। इस पत्र की प्रतियां अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल कन्नौज एवं अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड को भी भेजी गई हैं।

मृतकों के परिजनों से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमण्डल

कन्नौज। बीती रात 17 जुलाई को मोहर्रम जुलूस के दौरान सौरिख क्षेत्र के सकरावा ग्राम पंचायत में सवाना बेगम पत्नी वकील मंसूरी का छज्जा गिर जाने से असलम कुरैशी पुत्र अलादीन उम्र 55 वर्ष व जीशान अली पुत्र गुफरान अली उम्र 13 वर्ष की मृत्यु हो गई व परवेज अली गुलाप्सा अबरार हुसैन सहित लगभग 50 लोग घायल हो गए। इस घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिला कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुंचा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश पालीवाल ने मृतक व घायलों के परिवार जनों से मिलकर उन्हें सांत्वना बधाते हुए सरकार से मांग की सरकार मृतको के परिवार जनों को दस- दस लाख रुपए व घायलों को 50-50 हजार रूपए आर्थिक सहायता व घायलों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाए। इस मौके पर मलखान सिंह पाल जिला उपाध्यक्ष, शशिकांत गुप्ता जिला महासचिव, सत्येंद्र त्रिपाठी ब्लॉक अध्यक्ष सौरिख, अजय राकेश सहित दर्जनों कांग्रेस नेता पहुंचे।

पेड़ों से वातारण रहता है शुद्धः देवेंद्र

सूरतगंज बाराबंकी। पेड़ धरा के आभूषण हैं पेड़ों से ही वातावरण शुद्ध रहता है उक्त उद्गार सूरतगंज ब्लॉक परिसर में पौधरोपण के दौरान सूरतगंज खण्ड विकास अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने व्यक्त किए। गुरुवार सुबह ब्लॉक परिसर में खंड विकास अधिकारी श्री सिंह ने दर्जनों पौधे लगाते हुए मौजूद ग्राम प्रधानों,ग्राम विकास अधिकारी,ग्राम पंचायत अधिकारियों व तकनीकी सहायकों के बीच कही। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी पंचायत राजेंद्र यादव,मनरेगा लेखाकार अनुराग श्रीवास्तव,सचिव रोहित वर्मा,सचिव रविंद्र कुमार,तकनीकी सहायक अभिषेक कुमार,तकनीकी सहायक शैलेश कुमार,तकनीकी सहायक सुधीर कुमार,तकनीकी सहायक जगदीश कुमार,प्रधान धर्मराज वर्मा बबलू,प्रधान प्रतिनिधि अरविन्द कुमार गुड्डू सहित दर्जनों प्रधान सचिव व तकनीकी सहायक मौजूद रहे।

आग से झुलसी बालिका की मौत

बांदा। देहात कोतवाली क्षेत्र के पचनेही गांव निवासी साधना 8 साल पुत्री भगवान दीन 9 जून की सुबह घर पर पूजा कर रही थी। तभी चिराग की बत्ती उस पर गिर जाने से उसके कपड़ों में आग लग गई।

मरीज को ठेले पर लेकर अस्पताल पहुंचे परिजन, वीडियो वायरल

डायल-108 पर लगाते रहे कॉल, फोन नहीं लगने से परिजन निराश

संवाददाता

जालौन। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने डायल-108 नम्बर की शुरुआत की थी। जिसके एक फोन पर एम्बुलेंस की सुविधा मिल सके। मगर अब 108 नंबर पर फोन लगना बंद हो गया है। जिस कारण इस सुविधा का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रही है। ऐसा जालौन में देखने को मिला। जहां 108 नंबर न लगने पर परिजनों को अपने मरीज को चार पहिए के ठेले पर लेटा कर उसे अस्पताल पहुंचाना पड़ा। ठेले पर मरीज को अस्पताल ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिससे स्वास्थ्य महकमें में हड़कंप मच गया। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा मामले की जांच की बात कही जा रही है।

मरीज को चार पहिए के ठेले पर अस्पताल पहुंचाने का वीडियो जालौन नगर का है। बताया गया है कि बुधवार देर रात को एक युवक गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। उसको अस्पताल पहुंचाने के लिए परिजनों ने योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही एम्बुलेंस सेवा के 108 नंबर पर कॉल किया। मगर बड़ी देर तक 108 नंबर न लगने के कारण परिजन निराश हो गए। इसके बाद उन्हें मजबूरी में चार पहिए के ठेले पर मरीज को लेटाकर ले जाना पड़ा। ठेले से ही मरीज को अस्पताल पहुंचना पड़ा। जब लोगों ने मरीज को ठेले पर ले जाने वाले परिजनों को देखा। जिसका वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है, कि एक मरीज चार पहिए के ठेले पर लेटा हुआ है। जिसको परिजन हाथ से खींचकर अस्पताल ले जा रहे हैं। वहीं मरीज को चार पहिया के ठेले पर अस्पताल लाने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों हडकंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जिससे यह पता लगाया जा सके की 108 नंबर क्यों नहीं लगा।

छुट्टा छोड़ दिए गए गौवंश, किया जाए संरक्षित

बांदा। विश्व हिंदू महासंघ गौरक्षा समिति ने कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि गौवंश छुट्टा छोड़ दिए गए हैं, उन्हें गौशालाओं में संरक्षित किया जाए। इस दौरान पदाधिकारियों ने डीएम को मोमेंटो भेंट किया। पदाधिकारियों ने डीएम को बताया कि विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति लगातार गौवंशों के हितों को देखते हुए आम जनमानस को जागरूक करती है। इसके साथ ही समय-समय पर गौशालाओं में जाकर व्यवस्थाओं को देखते हुए जिम्मेदारों को निर्देशित किया जाता है। वर्तमान में गौशालाओं के गौवंश खुले में अन्ना छोड़ दिए गए हैं, जिससे आम जनमानस को तथा गौवंश के जीवन को भी खतरा हो सकता है। आए दिन गौवंश की कोई न कोई घटना सामने आती रहती है। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गौवंश के संरक्षण के लिए निर्देशित किया है कि गौवंशो को गौशालाओं में संरक्षित रखा जाए और उनकी उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए, लेकिन जिले के जिम्मेदार गौशाला संचालक मुख्यमंत्री के निर्देशों को दरकिनार करते हुए गौवंशो को अन्ना छोड़ दिया है।

छात्र छात्राओं को वितरित किए गए टैबलेट

संवाददाता

कन्नौज। आज कन्नौज शहर क्षेत्र के मकरंद नगर स्थित चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्ति करण योजना के तहत परास्नातक स्तर पर चतुर्थ सेमेस्टर एमए और एमएससी के छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि वार्ड नंबर 2 जिला पंचायत सदस्य शिवा चक्रवर्ती ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अन्य मंचासीन अतिथियों में महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष अनुराग मिश्र, प्राचार्य डॉ आर एन मिश्र एवम डॉ आर डी बाजपेई रहे। आयोजन के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ आर एन मिश्र द्वारा कार्यक्रम की रुप रेखा उद्देश्य एवम महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि ने युवाओं से आह्वान किया कि आप सभी इसका प्रयोग अच्छे कार्यों में करें ताकि इसका पूरा लाभ छात्र छात्राओं को मिल सके।

महाविद्यालय में अतिथियों द्वारा छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम संचालन सुशील भारद्वाज ने किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं के अतिरिक्त उमेश चन्द्र द्विवेदी, डॉ सुदीप शर्मा अनिल यादव गोविंद दुबे, सतेंद्र यादव उपेंद्र कुशवाहा, उमंग त्रिपाठी, अनूप दुबे वैभव कुमार, कमल कांत मिश्र, डॉ आरती वर्मा, शुभा तिवारी, सोनी कटियार, मनोज कुमार, आर के दीक्षित, सुदीप शर्मा, सुमित कटियार सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

संत तुलसी के प्रथम छात्र को एसडीएम ने किया सम्मानित

बांदा। संत तुलसी स्कूल के प्रथम छात्र विवेक गुप्ता ने यूपीएससी परीक्षा पास की है। उनका चयन असिस्टेंट कमिश्नर (पीएफ) के तौर पर हुआ है। इधर, गुरुवार को उप जिलाधिकारी सदर ने उन्हें विद्यालय की स्थापना दिवस के मौके पर सम्मानित किया। वर्ष 2000 में संत तुलसी पब्लिक स्कूल की स्थापना की गई थी। बन्योटा मोहल्ला निवासी आशीष गुप्ता के पुत्र विवेक कुमार गुप्ता के बाबा पूर्व प्राचार्य स्व. शंकरलाल गुप्ता ने वर्ष 2000 में उसका एडमीषन विद्यालय के प्रथम छात्र के रूप में अंकित कराया था। उसी समय विद्यालय की स्थापना हुई थी। विद्यालय का उद्घाटन पूर्व मंत्री विवेक कुमार सिंह ने किया था। विद्यालय की होनहार छात्रा मुस्कान गुप्ता ने भी प्रथम प्रयास में आईआईटी खड़गपुर में चयनित होकर विद्यालय व माता पिता का नाम रोशन किया है।

छज्जा गिरने की घटना में एक घायल की मौत

संवाददाता

कन्नौज। जिले के सकरावा थाना क्षेत्र के सैय्यद बाड़ा मोहल्ले में बुधवार को ताजिया जुलूस के दौरान छज्जा गिरने से एक किशोर की मौत हो गई थी तथा 14 अन्य घायल हो गये थे।

बुधवार की देर रात एक घायल की फर्रूखाबाद के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलने पर घर में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला सैय्यद बाड़ा में बुधवार को ताजिया जुलूस निकाला जा रहा था तभी अचानक वकील के मकान का छज्जा भरभरा कर गिर गया जिससे छज्जा के उपर बैठे तथा नीचे देख 2हे करीब दो दर्जन लोग घायल हो गये थे। छज्जा बगैर सरिया का बना था जो 20 वर्ष पुराना था।

हादसे में एक 11 वर्षीय किशोर रोशन आलम की मौत हो गई थी। दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे जिन्हें परिजन अलग अलग अस्पतालो में ले गये थे।

सैय्यद वाडा गांव निवासी असलम कुरैशी 55 गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिन्हे फर्रुखाबाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां रात 11 बजे उनकी मौत हो गई। आज गुरूवार को शव गांव में पहुँचते ही परिजनो में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष शशिकांत कन्नौजिया ने पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। कल हादसा होते ही डीएम सुभ्रान्त कुमार शुक्ला एवं एस पी अमित कुमार आनंद भी मौके पर पुहँचे थे और परिजनों से मिले थे।

नवीन मंडी में लग रहे जाम से व्यापारी और किसान बेहाल

नहीं दूर हुई जल भराव की समस्या

संवाददाता

छिबरामऊ, कन्नौज। नवीन मंडी में इन दिनों मक्का और मूंगफली की बड़ी तादाद में आमद हो रही है। इसके कारण पूरे दिन ट्रकों और ट्रैक्टरों के जाम से व्यापारियों के साथ किसान भी बेहाल हैं। उधर जल भराव की समस्या अब तक दूर नहीं हो पाई है। हाल ही में बरसात के चलते हुए जल भराव में मूंगफली की फसल पानी में बह गई। इसे बटोरते किसान दिखाई पड़े।

गल्ला आलू व्यापारी संघ के अध्यक्ष पीयूष गुप्ता प्रीतू एवं मीडिया प्रभारी पंकज प्रसाद दुबे ने कहा मंडी में सुरक्षा गाड्र्स की अच्छी खासी फौज है। इन दिनों मूंगफली और मक्का का सीजन चल रहा है। इसके कारण मंडी के अंदर जाम लग रहा है लेकिन सुरक्षा गाड्र्स पूरे समय मोबाइल देखने में व्यस्त रहते हैं। उन्हें जाम खुलवाने से कोई मतलब नहीं रहता। काफी कहने सुनने के बाद मंडी का दूसरा गेट खुलवा दिया गया लेकिन इसके बावजूद जाम से निजात नहीं मिल पाई। मंडी के बाहर हाईवे बनने से पहले बड़ा नाला था।

इसके कारण मंडी के अंदर जल भराव नहीं होता था लेकिन हाईवे निर्माण के दौरान यह नाला बंद कर दिया गया। इसके बाद पानी की निकासी नहीं हो पाने से बरसात होते ही मंडी में जल भराव शुरू हो जाता है। इस बारे में प्रभारी मंडी सचिव श्रवण कुमार परमार को कई बार अवगत कराया गया लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। नतीजन पिछले दिनों हुई झमाझम बारिश में मंडी के अंदर काफी पानी भर गया था। इसमें किसानों की मूंगफली और मक्का की फसल भीग कर खराब हो गई थी। दोनों पदाधिकारियों ने मंडी के सभापति एवं एसडीएम उमाकांत तिवारी से इन समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की है जिससे व्यापारियों और किसानों को परेशानी से बचाया जा सके।

सौ शैया नर्स स्टाफ की लापरवाही से गई बालिका की जान

संवाददाता

छिबरामऊ, कन्नौज। सौ शैया अस्पताल में भर्ती 8 वर्षीय बालिका के ड्रिप की बीगो से अचानक बह रहे ब्लड की सूचना मिलने के बावजूद नर्स स्टाफ की लापरवाही के चलते रेफर हुई बालिका की रास्ते में मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत सीएमएस से की। उन्होंने 2 दिन के अंदर जांच पड़ताल कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर बनवारी निवासी संजू राजपूत पुत्र बालकराम ने बताया कि मंगलवार की रात लगभग 11 बजे उनकी 8 वर्षीय पुत्री ईशानी राजपूत को तेज बुखार आने के कारण सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां चिकित्सक उसका उपचार शुरू करके अचानक आए एक्सीडेंट के मरीजों में लग गए। इस दौरान उनकी पुत्री ईशानी के हाथ में लगी ड्रिप की बीगो से खून बहने लगा। उनका आरोप है कि कई बार नर्स स्टाफ को सूचना देने के बावजूद नहीं पहुंची, जिससे उसका खून लगातार बहता रहा। कुछ देर बाद पहुंचे चिकित्सक ने मामले को देख नर्स स्टाफ को जमकर फटकार लगाई और खून की कमी होने के कारण उसे तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत सीएमएस से की है। वहीं सीएमएस सुनील कुमार ने बताया कि जांच पड़ताल की जाएगी। लापरवाही करने वाली नर्स स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से एक्टिवा चालक की मौत, हाईवे पर लगा लम्बा जाम

संवाददाता

कन्नौज। जलालपुर पनवारा और पाल चौराहे के बीच हाइवे पर एक कार एवं स्कूटी की आमने सामने टक्कर हो गई जिसमें स्कूटी चालक की मौत हो गई, कार भी पलट गई। घटना के बाद हाइवे पर जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार तिर्वा क्षेत्र के नगरिया ग्राम निवासी राम राजपूत 22 वर्ष अपने भांजे विवेक 17 वर्ष के साथ स्कूटी से कन्नौज आ रहे थे। हाइवे पर पाल चौराहे के पास रामपुर कट पर तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। कार भी तेज रफ्तार के कारण पलट गई।

दुर्घटना में भांजे विवेक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और राम राजपूत घायल हो गये।

दुर्घटना के बाद ग्रामीणो ने जाम लगा दिया।जानकारी मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक डा0 संसार सिंह,सीओ सिटी कमलेश कुमार,कन्नौज कोतवाल जेपी शर्मा पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। कार ड्राइवर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।घायल राम राजपूत को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने लाठी चार्ज कर खुलवाया जाम

कन्नौज। आज पाल चौराहे के निकट कार और स्कूटी की आमने सामने टक्कर के वाद ग्रामीणो ने जाम लगा दिया। ग्रामीण समाज कल्याण राज्य मंत्री को बुलाने एवं मृतक के परिजनो को मुआवजा की मांग कर रहे थे। एएसपी डा0 संसार सिंह ने ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन न मानने पर पुलिस ने जाम लगाये लोगो पर लाठी चार्ज कर किया जिससे भगदड मच गई। एक घण्टे के बाद जाम खुल सका।

पत्थरों से हमला कर कार का तोड़ा शीशा

जालौन। ब्लॉक प्रमुख के बेटे की कार पर दो नकाब पोश बाइक सवारों ने पत्थरों से हमला कर कार का शीशा तोड़ दिया। कुछ दूरी तक कार का पीछा भी किया। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख के बेटे छिरिया चौकी पहुंचे जहां उन्होंने घटना की जानकारी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। माधौगढ़ ब्लॉक प्रमुख रहे स्वर्गीय चिंतामन दोहरे के बेटे दीपक दोहरे निवासी ग्राम हरौली थाना माधौगढ़ अपनी बुआ के लड़के की गोद भराई के कार्यक्रम में जालौन आए थे। बुधवार की रात करीब आठ बजे वह गोद भराई के कार्यक्रम के बाद अपने साथियों और परिजनों के साथ स्कार्पियो कार से वापस अपने गांव जा रहे थे। जब वह बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के नजदीक पहुंचे तभी उनकी कार के आगे पीछे चल रहे बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने उनकी कार पर पत्थरों से हमला कर दिया। जिसमें उनकी कार के शीशे टूट गए।

बिजली कटौती से हो रही दिक्कत

संवाददाता

उरई,जालौन। बिजली समस्या को लेकर 6 गांवों के ग्रामीणों ने उरई कोंच मार्ग पर गढ़र की पुलिया के पास जाम लगा दिया। जिससे आवागमन बाधित हो गया। जाम की सूचना मिलते ही उरई के उप जिलाधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। जिन्होंने जाम लगाए ग्रामीणों को समझाया और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोला।

इन गांवों में बीते कई दिनों से बिजली नहीं आ रही है। जिससे गांव के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न आने के कारण किसानों को धान की फसल में पानी लगाने में भी समस्या आ रही है। इसको लेकर कई बार ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी। साथ ही इसकी शिकायत भी की, मगर कोई समाधान न निकलने के कारण आज गढ़र, इमिलिया, बिनौरा, मरोड़ा सहित आसपास के आधा दर्जन गांवों के ग्रामीण और किसानों ने जाम लगा लिया। जिस कारण मार्ग बाधित हो गया।

सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया और सड़क से जाम हटवाया। साथ ही उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द उनकी बिजली समस्या को दूर किया जाएगा। इसके बाद ग्रामीण माने और उन्होंने जाम खोला। उरई उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल ने कहा कि इन क्षेत्रों में पावर सप्लाई की समस्या हो रही है। जल्द से जल्द इसका समाधान कर दिया जाएगा। जिससे किसानों की फसलों में किसी प्रकार का नुकसान न हो।

रस्सी का फंदा लगाकर किसान ने जान दी

बांदा। चिल्ला थाना क्षेत्र के बरेठी कला गांव निवासी 55 वर्षीय राममूरत प्रजापति बुधवार रात पड़ोसी कुटकी के यहां बर्थडे पार्टी में गया हुआ था रात को वह वापस घर लौटने के बाद अपने डेरा पहुंच गया। वहां पर लगे नीम के पेड़ पर रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिए गुरुवार की सुबह खेतों की तरफ गए हुए ग्रामीणों ने देखा तो घर वालों को जानकारी दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने फंदा काटकर शव को नीचे उतार लिया मामले की जानकारी पुलिस को दी गई पुलिस ने परिजनों से पूछताछ करने के बाद शव को कब्जे में ले लिया मृतक के पुत्र रंजन ने बताया कि उसका पिता किसानी करता था। वह नशे का आदी था। इसी के चलते उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक अपने पीछे पत्नी लक्ष्मीनिया के अलावा तीन पुत्र तीन पुत्रियां छोड़ गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अभियुक्त को चार वर्ष से अधिक का कठोर कारावास

संवाददाता

कन्नौज। कन्नौज सदर कोतवाली में मु0अ0सं0 188/20 अन्तर्गत धारा 457/380/411/413 में पंजीकृत अभियोग में न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 457/380/413 भादवि में दोषी पाते हुये न्यायालय में अभियुक्त को जेल में बितायी गई अवधि 4 वर्ष 03 माह 29 दिन का कठोर कारावास व 13,000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

अभियुक्त द्वारा अपने साथी अभियुक्त के साथ मिलकर पीड़ित के घर में घुसकर लाइसेंसी बंदुक व रुपया जेवरात चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना कोत0कन्नौज पर मु0अ0सं0 188/20 धारा 457/380/411/413 भादवि के तहत अभियोग पंजीकृत हुआ था, जिसकी विवेचना सम्पादित कर अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।

कन्नौज पुलिस टीम एवं अभियोजन पक्ष तथा मॉनीटरिंग सेल व कोर्ट पैरोकार के अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी से न्यायालय कन्नौज ने अभियुक्त राहुल उर्फ इंगा पुत्र रामरतन नि0 मोहल्ला शेखाना थाना कोतवाली कन्नौज जनपद कन्नौज को जेल में बितायी गई अवधि 4 वर्ष 03 माह 29 दिन का कठोर कारावास व 13,000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को दस वर्ष का कारावास

संवाददाता

बांदा। किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में दोषी पाए जाने पर अभियुक्त को विशेष न्यायाधीश पाक्सो हेमंत कुमार कुशवाहा की अदालत ने 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर चार माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि अतर्रा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 14 वर्षीय किशोरी ने अतर्रा थाना में 23 अक्टूबर 2020 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि पड़ोसी गांव का रहने वाला अमर वर्मा उसे अपने घर ले गया, वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अपने 164 सीआरपीसी के बयान में बताया कि 21 अक्टूबर 2020 को बल्लान पहाड़ पर देवी बैठी थी। उसकी बहन वापस चली आयी और पीड़िता इसके बाद पीड़िता घर वापस आ रही थी, तभी पहाड़ के थोड़ी दूर पर आरोपी ने उसे दबोच लिया। दूसरे दिन 22 अक्टूबर 2020 को उसे कमरे में बंद करके चला गया। शाम को जब उसकी पत्नी आ गई तब दूसरी ओर से उसे निकाल दिया। इस मामले का आरोप पत्र विवेचक अखिलेश कुमार मिश्रा ने अदालत में पेश किया। दोषी के खिलाफ अदालत ने 10 फरवरी 2021 को आरोपी बनाया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से 6 गवाह पेश किए गए। पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों एवं अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने दोषी अमर वर्मा को 10 वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

अभियुक्त को चार हजार का जुर्माना: एसपी जीआरपी विपुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक नवेन्दु शेखर अग्निहोत्री ने अभियोजन अधिकारी वीरेन्द्र त्रिवेदी रेलवे अनुभाग झांसी के द्वारा किये जा रहे सघन अभियोजन कार्य के फलस्वरूप न्यायालय एसीजेएम रेलवे सुचेता चौरसिया ने थाना जीआरपी के अभियोग में अभियुक्त संतराम अवस्थी उर्फ बच्चू पुत्र गनेश प्रसाद निवासी गिरोह थाना कोतवाली देहात को दोष सिद्ध होने पर अभियुक्त संतराम अवस्थी उर्फ बच्चू को जेल में बिताई गई अवधि व 4000 रूपये के जुर्माने से दण्डित किया है। जुर्माना न अदा करने पर 15 दिवस के अतिरिक्त कारावास की सजा भोगनी होगी।

पौधरोपण संबंधी तैयारियां समय से पूरी करें

» सुह छह बजे से शाम छह बजे तक किया जाएगा पौधरोपण

संवाददाता

बांदा। डीएम नागेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में आगामी 20 जुलाई को बृहद पौधरोपण के लिए जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में डीएम ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों व खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण कराया जाए। सभी तैयारियां समय से पूरी करें।

डीएम ने कहा कि समय से गड्ढों की खुदाई करा ली जाए, ताकि पौधरोपण के दिन परेशानियों का सामना न करना पड़े। पौध की उपलब्धता व उठान कराये जाने, पौधरोपण के बाद हरीतिमा एप को डाउनलोड कर उसमें वृक्षारोपण की फोटो सहित जीओ टैग शत प्रतिशत कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत व नगर विकास के अनुसार वृक्षारोपण किये जाने सूचना संकलित कर डीएसटीओ को भेजी जायेगी। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण 20 जुलाई को सुबह छह बजे से सायं छह बजे तक जनपद के विभिन्न निर्धारित स्थलों में प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों व नोडल अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा किया जायेगा, जिसके लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की स्थलवार ड्यूटी लगायये जाने के निर्देश दिये। वृक्षारोपण किये जाने के लिए एक कन्ट्रोल रूम की भी व्यवस्था की गयी है। उन्होंने वृक्षारोपण कार्यक्रम को व्यापक जनसहभागिता प्राप्त करते हुए एक जनआन्दोलन के रूप में उत्सव की भांति कराये जाने के निर्देश दिये। वृक्षारोपण के अन्तर्गत विरासत वृक्ष वाटिका, मित्र वन, वैटलैण्ड संरक्षण वन, बाल पौध रोपण भी किया जाये। उन्होंने वृक्षारोपण कार्यक्रम में समस्त सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, महिला एवं युवक मंगल दल, व्यापार मण्डल व अन्य लोगों के जन सहयोग से अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण लक्ष्य के अनुसार कराये जाने के निर्देश दिये।

सीडीओ वेदप्रकाश मौर्य ने बताया कि वन विभाग के बाद ग्राम विकास विभाग द्वारा सबसे अधिक वृक्षों का रोपण किया जायेगा। उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने विकास खण्डों में निर्धारित स्थानों व अमृत सरोवरों में वृक्षारोपण बृहद स्तर पर करायें और उनकों सुरक्षित रखने के लिए भी व्यवस्थायें की जायें। प्रभागीय वनाधिकारी अरबिन्द कुमार ने बताया कि पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति एक पेड मां के नाम समर्पित कर अवश्य रोपित करें। जनपद में लगभग 67 लाख वृक्षारोपण किया जायेगा। वन विभाग के साथ 26 अन्य विभागों द्वारा इलेक्शन मोड पर वृक्षारोपण किया जाएगा। वृक्षारोपण के तहत कृषि विश्व विद्यालय बांदा, नरैनी व बबेरू तहसील परिसर व ब्लाक परिसर तथा बिसण्डा में तीन अमृत सरोवर स्थलों के साथ नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत काशीराम पार्क, कच्चा तालाब अतर्रा चुंगी व जनपद की विभिन्न बड़ी गौशालाओं कनवारा, मकड़ी खेड़ा, खप्टिहाकला, अलोना आदि बृहद गौशालाओं में वृक्षारोपण किया जायेगा। बैठक में एडीएम राजेश कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पौधरोपण के बाद हरीतिमा ऐप डाउनलोड कर फोटो करें अपलोड

कलेक्ट्रेट परिसर में एडीएम ने किया वृक्षारोपण

संवाददाता

सोनभद्र। जिले को हरित बनाने को संकल्पित कर्मचारियों संग अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्र द्वारा पर्यावरण संरक्षण संकल्प अभियान को आगे बढाते हुए बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण किया गया। बता दें कि पंचायती राज विभाग के सफाई कर्मचारियों व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों द्वारा यूपी में बृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी ने कर्मचारियों के इस प्रयास की भूरि - भूरि सराहना की। क्रांति सिंह, प्रदेश अध्यक्ष के आवाहन पर उत्तर प्रदेश का प्रत्येक सफाई कर्मचारी (एक लाख) व चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारियों ने एम देशवासियों के साथ मिलकर नौ दिनों में कुल दो लाख पौधा लगाने का संकल्प लिया है।

कहा कि यदि एक व्यक्ति एक पौधा देश के नाम, एक पौधा माँ के नाम लगाए तो हमारा पर्यावरण संरक्षण का सपना साकार होगा। मौजूद सभी लोगों ने सोनभद्र को ग्रीन और क्लीन बनाने का संकल्प लिया। साथ ही वृक्ष लगाने के साथ-साथ वृक्ष बचाने का भी प्रण किया। साथ ही एक वृक्ष दस पुत्र समाना का जिक्र करते हुए बताया कि व्यक्ति द्वारा रोपित एक पौधा दस पुत्रों के समान माना जाता है।

इस दौरान सभी लोगों ने मिलकर वृक्ष लगाएं, पर्यावरण बचाएं का नारा लगाया। वृक्षारोपण अभियान में राजाराम दूबे जिलाध्यक्ष चतुर्थ श्रेणी, देवानंद पाठक, बृजेश श्रीवास्तव, राकेश कुमार, राजेश मिश्रा, दिलीप कुमार, गेंदालाल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने किसानों से किया सीधा संवाद

» ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो कृषक समस्याओं का - जिलाधिकारी

संवाददाता

सोनभद्र। विकास भवन सभागार में आज आयोजित किसान दिवस साफल्य पर पहुंचा डीएम बी0 एन0 सिंह की अध्यक्षता में। उपस्थित कृषक बन्धुओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जिलाधिकारी ने जिसमें उल्लेखनीय ररहीं कृषि, विद्युत, सहकारिता, उद्यान, मत्स्य, रेशम व सिंचाई विभागों से सम्बन्धित समस्यायें। इस सम्बन्ध में कृषक बन्धुओं से बिंदुवार जानकारी प्राप्त कर तथ्यों से अवगत हुए डीएम और कृषक बन्धुओं द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड बनाने में बैंकर्स द्वारा बरती जा रही शिथिलता के सम्बन्ध में बारीकी से बात सुनी। इसपर जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी हरे कृष्ण मिश्र को निर्देशित करते हुए कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड बनाने में व फसल बीमा योजना के अन्तर्गत बीमित कृषकों के फसल नुकसान का मुआवजा सम्बन्धित बीमा कम्पनी द्वारा समय से दिलाया जाय और कृषक बन्धुओं द्वारा आज किसान दिवस में जो भी समस्याएं बतायी गयी हैं, उन समस्याओं का ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। डीएम ने कहा कि इसमें किसी स्तर पर शिथिलता न बरती जाय।

जिलाधिकारी ने कृषक बन्धुओं को श्री अन्न , सांवा, कोदो, रागी के उन्नतशील बीजों के निःशुल्क मिनीकिट का वितरण भी किया। इस दौरान उन्होंने कृषक बन्धुओं से कहा कि जनपद में श्री अन्न के खेती करते हुए उत्पादन को बढ़ाया जाय जिससे आमदनी में वृद्धि हो सके। बैठक का संचालन जिला कृषि अधिकारी हरे कृष्ण मिश्र ने किया। कृषि विज्ञान केन्द्र वैज्ञानिक डॉ0 रश्मि सिंह द्वारा श्री अन्न के महत्व एवं उत्पादन से सम्बन्धित वैज्ञानित तथ्यों के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। इस मौके पर एल0डी0एम0, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, ए0आर0 को-आपरेटिव, कृषि विभाग के वैज्ञानिक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मिलेट्स में औषधीय गुण, शरीर के लिए उपयोगी :आर के सिन्हा

संवाददाता

अयोध्या। अवसर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व सांसद डॉ आर के सिन्हा ने कहा कि मिलेट्स में औषधीय गुण हैं। एक मरीज के तौर पर मैंने इस पर शोध किया और इसे खाने के बाद अब मैं पूरी तरह निरोग हो गया हूँ। इसीलिए इसके प्रचार के लिए देशभर में घूम रहा हूँ। डॉ सिन्हा आज यहाँ मसौधा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय मिलेट्स तकनीकी प्रशिक्षण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कोदो, कंगनी, कुटकी, सावां और हरा सावां हमारे शरीर के लिए उपयोगी है। इसमें औषधीय गुण हैं। मिलेट्स शरीर की सभी जरूरतों को पूरा करता है। यह शरीर के सभी शेल्स की सफाई करता है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स की खेती किसानों के लिए भी फायदेमंद है। इसकी खेती से किसानों की आमदनी में तिगुनी वृद्धि की जा सकती है। इसकी खेती में खर्च और मेहनत भी कम लगती है। हमारे पूर्वज कहा करते थे कि बोओ और घर जाकर सोओ।

अपने संबोधन में मिलेट्स मैन के नाम से देशभर में ख्यात पद्मश्री डॉ खादर वली ने कहा कि मैं आपकी रसोई में डॉक्टर बैठाना चाहता हूँ ताकि आपको डॉक्टर के पास जाने की जरूरत ही नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने जान बूझकर आपको बीमार बनाया है ताकि उनका धंधा चलता रहे। चावल, रोटी, मैदा, चीनी और मिलावट ने हमारा स्वास्थ्य खराब कर दिया है। जरूरत अपनी जीवन शैली बदलने की है। खून के असंतुलन से आज हर पांचवां व्यक्ति पीड़ित है। नतीजतन हमारी आयु घटती जा रही है। अंग्रेजी दवाइयाँ हमारे शरीर को कमजोर कर रही हैं और हम दवा खाकर खुद को तंदुरुस्त मानने लगे हैं।

शाम को हुई बारिश, फाल्ट होने से बिजली गुल

संवाददाता

बांदा। गर्मी से उबल रहे लोगों को गुरुवार की शाम राहत मिली। कुछ देर ही सही लेकिन झमाझम बारिश होने से तपिश खत्म हो गई। बारिश का पानी जमीन पर गिरने ही बिजली विभाग की मुसीबतें बढ़ गईं। कई स्थानों पर फाल्ट हो जाने की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित रही। हालांकि बाद में मौके पर पहुंचे बिजली कर्मचारियों ने मरम्मत की। इस दौरान तकरीबन एक घंटे के बाद बिजली आपूर्ति शुरू हो सकी। उपभोक्ताओं का कहना है कि बारिश होते ही बिजली विभाग की आपूर्ति व्यवस्था लड़खड़ा जाती है।

शहर के बलखंडीनाका और डीसीडीएफ इलाके में गुरुवार की शाम हुई बारिश के चलते बिजली आपूर्ति ठप हो गई। लाइनों में फाल्ट आ जाने की वजह से एक घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर लाइनों की मरम्मत की। इसके बाद आपूर्ति चालू हो सकी। बबेरू, कमासिन, तिंदवारी, नरैनी क्षेत्र में बिजली उपभोक्ता बिजली की आवाजाही से परेशान नजर आ रहे हैं। बिजली अधिकारी भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। बबेरू कस्बे के कही न कही फाल्ट होने से बिजली की सप्लाई बाधित रहती है, इससे बिजली की किल्लत बनी रहती है। कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रो मे फाल्ट के नाम कई-कई घंटे विद्युत सप्लाई नही हो रही है। कई 33 हजार विद्युत लाइन तो पावर हाउस कई विद्युत फाल्ट कही बरसात होने पर बिजली गुल होने से इस भीषण उमस भरी गमी मे हाहाकार मचा जाता है। रविवार और सोमवार को भी कई-कई घंटे बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण बिजली विभाग के उपभोक्ता परेशान नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारी बिजली आपूर्ति की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी तरह नरैनी, तिंदवारी और कमासिन क्षेत्र में भी बिजली उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आपूर्ति ठप होने की वजह से गर्मी से लोग परेशान रहते हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इस ओर कोई ध्यान नहीं देते हैं। फाल्ट हो जाने पर कई-कई घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। शहरी क्षेत्र की बिजली व्यवस्था भी कुछ ठीक नहीं है। शहर के विभिन्न इलाकों में फाल्ट होने की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित रहती है।

संक्षिप्त खबरें

प्रेम-प्रसंग के चलते युवक ने फंदा लगाकर जान दी

बांदा। प्रेम-प्रसंग के चलते युवक ने साड़ी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने शव फंदे पर लटकता हुआ देखा तो कोहरा ममच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कमासिन थाना क्षेत्र के भदांव गांव निवासी 20 वर्षीय सत्येंद्र कुमार एक माह पहले मुंबई से कमाकर गांव आया था। बुधवार रात वह छत पर सो रहा था। सूना मौका देखकर वह निर्माणाधीन मकान में कूद गया। कमरे के अंदर टिनशेड के एंगल पर साड़ी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। गुरुवार सुबह परिजनों ने देखा तो चीख पड़ी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के चाचा शारदा प्रसाद ने बताया कि सतेंद्र दो भाइयों में बड़ा था। वह मुंबई में रहकर टाइल्स का काम करता था। उसका एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दस दिन पहले सत्येंद्र ने अपना मोबाइल भी तोड़ दिया था। प्रेम प्रसंग के चलते सत्येंद्र ने साड़ी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। थाना अध्यक्ष कमासिन के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

दिल का दौरा पड़ने से होमगार्ड की मौत

बांदा। ड्यूटी निपटने के बाद घर आए होमगार्ड को दिल का डौरा पड़ गया उसकी मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नरैनी कोतवाली क्षेत्र के पुंगरी गांव निवासी मिथिलेश 52 पुत्र रामनाथ बबेरू कोतवाली में डायल 112 में होमगार्ड के पद पर तैनात था वह ड्यूटी करने के बाद गुरुवार की सुबह घर पहुंचा तो वह खेत घूमने के लिए गया था तभी उसके सीने में अचानक दर्द होने लगा वह खेत से घर लौट आ गया परिजन उसे लेकर नरैनी सी एच सी ले गए जहां डॉक्टरों ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया मृतक के दामाद पंकज अवस्थी निवास काजीपुर ने बताया की मिथिलेश ड्यूटी करने के बाद घर आया है। मृतक अपने पीछे पत्नी उमा देवी के अलावा चार बेटी एक बेटा छोड़ गया है।

किशोरी समेत दो ने जहर खाया

बांदा। अतर्रा थाना क्षेत्र के अधरोरी गांव निवासी आरती 15 पुत्री शिवलाल ने घरेलू किसी बात से नाराज होकर सल्फास की गोली खा ली। हालत बिगड़ने पर घर वालों को जानकारी हुई। इसी तरह शहर कोतवाली क्षेत्र के कनवारा गांव निवासी रुचि 22 पत्नी आशीष ने बुधवार की रात घरेलू किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया हालत बिगड़ने पर घर वालों को पता चला दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

शार्ट सर्किट से युवक झुलसा

बांदा। मरका थाना क्षेत्र के बैरफ गांव निवासी रोहित सिंह 22 पुत्र धर्मवीर बुधवार की रात घर के समीप लगे ट्रांसफार्मर के पास खड़ा हुआ था। इसी बीच ट्रांसफार्मर में बिजली की शार्टसर्किट से निकली चिंगारी उसके कपड़ों में पड़ गई। जिससे वह झुलस गया ।उसे जिला अस्पताल में भर्ती कर गया।

तिल की फसल बर्बाद होने पर सदमे से किसान की मौत

बांदा। खेत में बोई गई तिल की फसल बर्बाद होने पर सदमे में आए किसान की मौत हो गई। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जनपद हमीरपुर के खंडेह गांव निवासी 48 वर्षीय संजय पुत्र फूल सिंह किसानी करता था उसके 15 बीघे खेती थी । उसने खेत में तिल की फसल बोई थी। बारिश न होने के कारण पूरी फसल बर्बाद हो गई। गुरुवार की सुबह संजय सिंह खेत देखने गया था। फसल बर्बाद देख उसे सदमा लग गया। उसके सीने में तेज दर्द होने लगा वह खेत से घर लौटा परिजनों को जानकारी दी घर वाले उसे लेकर जिला अस्पताल आए। इलाज होने से पहले उसने दम तोड़ दिया।

अपनाएं सावधानी-बचाएं जीवन, डूबने से बचाव के करें हर उपाय

संवाददाता

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि आगामी दिनों में बरसात की प्रबल संभावना के आलोक में जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने जनपदवासियों से अपील करते कहा कि भरे हुए नद - नाले, नहर - तालाब के प्रवाह में सावधानी अपनाते हुए गमनागमन करें और जीवन को बचाएं।

कहा कि स्वयं जागरूक रहते हुए इसके प्रति लोगों में जागरूकता भी फैलाएं, जल भराव वाले स्थानों पर डूबने से बचाव के लिए सुरक्षा के उपाय अवश्य अपनायें। डीएम हिदायत भरे शब्दों में कहा कि यदि तैरना न आता हो तो नद -नदी, नहर - नालेअथवा तालाबों में कदापि न जाएं एवं अपने स्वजनों - परिजनों को भी जाने से रोकें तथा बच्चों को पुलिया एवं ऊंचे टीलों से पानी में छलांग लगाने पर पूर्णतः नियंत्रण रखें।ओवरलोडेड नौकाओं में न बैठें तथा कोशिश करें किसी नदी, पोखर, तालाब या जल स्त्रोत में सामूहिक रूप से स्नान करने जाते समय साथ में 10-15 मीटर लंबी रस्सी या धोती-साड़ी अवश्य रखें, नदियों-नहरों, जलाशयों या अन्य श्रोतों के समीप लिखी चेतावनियों की कत्तई अवहेलना न करें। इसके साथ ही डीएम ने छोटे बच्चों को घाटों एवं जल स्त्रोतों के समीप जाने से रोकने व किसी के उकसावे में आकर पानी में छलांग न लगाने की पुख्ता ताकीद देते कहा कि नदियों अथवा अन्य जलश्रोतों के घाटों पर रीति-रिवाजों एवं संस्कारों का निर्वहन करते समय भी पूरी सावधानी बरतें, नदी या तालाब में तैरते-स्नान करते समय स्टंट न करें, सेल्फी आदि न लें अन्यथाबाकी स्थिति में ऐसे अति उत्साह प्रदर्शित करने से कभी भी , कहीं भी स्थिति जानलेवा हो सकती है।

दुबई में फंसी शहजादी को बचाने की सोसाइटी ने लगाई गुहार

» दुबई के अबूधाबी में शहजादी को मिली है फांसी की सजा

» राष्ट्रपति से असल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

संवाददाता

बांदा। दुबई के अबूधाबी में फांसी की सजा में फंसी निर्दोष शहजादी को बचाने और असल दोषियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर रोटी बैंक सोसाइटी पदाधिकारियों ने गुरुवार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम नागेंद्र प्रताप को सौंपा। पदाधिकारियों ने कहा कि रोटी बैंक सोसाइटी की सदस्य की हिफाजत की जाए।

मटौंध थाना क्षेत्र के गोयरामुगली गांव निवासी शहजादी खान दुबई के अबूधाबी जेल में बंद है। उसे वहां के शासन ने फांसी की सजा दी है। रोटी बैंक पदाधिकारियों ने मांग की है कि सोसाइटी की सदस्य को भारत सरकार उचित न्यायिक जांच कराकर वास्तविक दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही करे। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम गोयरा मुगली की निवासिनी शहजादी खान जो विगत कुछ वर्षों से इण्टरनेट मीडिया के माध्यम से अपने इण्टरनेट साथी के साथ आगरा और आगरा से दुबई गयी थी, वहां पर उसको बच्चे की हत्या के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गयी। परिजनों ने मटौंध थाना में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसकी सही विवेचना कराकर उचित निर्णय व न्याय दिलाने का प्रयास किया जाय। परिजनों के द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर जो भी इस कृत्य में शामिल है. उस पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुये दण्डित किया जाय। बताया कि चूंकि आरोपित महिला एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो कई संगठनों के माध्यम से सामाजिक कार्य करती रही है, उसके द्वारा इस प्रकार का कृत्य किया जाना सम्भव नहीं है। राष्ट्रपति जी मांग की जा रही है कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर फांसी की सजा की आरोपी को सकुशल अपने वतन वापसी का पूरा प्रयास कर असल दोषियो खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। ज्ञापन देते समय रोटी बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष रिजवान अली, संगठन मंत्री सुनील सक्सेना, उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, रीना कनौजिया महिला उपाध्यक्ष, इरफ़ान खान कोषाध्यक्ष, मोहम्मद अज़हर महामंत्री, सद्दू अली वरिष्ठ प्रवक्ता, अलीमुददीन सदस्य, रफ़ीक़ खान सदस्य आदि मौजूद रहे।

जिला चिकित्सालय के ऑर्थो सर्जन द्वारा धड़ाके से लिखी जा रही कमीशन युक्त दवाइयां

अयोध्या। जिला अस्पताल में बाहर की दवाएं लिखने का काम जारी है। इतनी बंदिशें व हलफनामा भरवाए जाने के बाद भीं चिकित्सक मान नहीं रहे हैं। रोजाना बाहर दवाएं लिखकर अपनी जेबें भर रहे हैं। अब ताजा मामला आर्थो की ओपीडी से आया है। यहां चिकित्सक प्रतिदिन मरीजों को महंगी-महंगी दवा लिख रहे हैं। जिला अस्पताल में जनरल ओपीडी के बाद सबसे अधिक मरीज आर्थो की ओपीडी में पहुंचते हैं। रोजाना 300 के करीब ओपीडी होती है। सबसे अधिक गांव-देहात से जुड़े व निर्धन मरीज ही यहां पहुंचते हैं, लेकिन कुछ दिनों से आर्थो ओपीडी में चिकित्सक डॉ. गुलाब चंद्र पटेल की तरफ से बाहर से दवाएं लिखने का आरोप लग रहा है। मरीजों का कहना हैं कि इतनी दूर से मुफ्त में इलाज कराने यहां पहुंचते हैं, लेकिन बाहर की महंगी-महंगी दवा लिख दी जाती है।

मृतक किसान आश्रितों को मिलेगा मुआवजा, चकबंदी की होगी जांच

संवाददाता

बांदा। चकबंदी विभाग के खिलाफ धरना दे रहे किसानों का भारतीय किसान यूनियन ने समर्थन किया। अशोक स्तंभ तले किसानों की मासिक पंचायत का आयोजन किया गया। डीएम के बुलावे पर भाकियू का प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी से मिला। इसमें तीन गांवों की चकबंदी निरस्त करने और मृतक आश्रितों को जांच करते हुए मुआवजा दिलाए जाने आश्वासन डीएम ने दिया।

मालुम हो कि चकबंदी विभाग बांदा के विरुद्ध किसान धरना दे रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने धरने का समर्थन किया और अशोक स्तंभ तले ही मासिक पंचायत का आयोजन हुआ। डीएम नागेंद्र प्रताप के बुलावे पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचा और मुलाकात की। वार्ता के दौरान डीएम ने ग्राम खपटिहा खुर्द, ग्राम बहिंगा के मृतक किसानों के आश्रितों को जांच करा मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। ग्राम सिलेहटा, ग्राम बहिंगा व ग्राम खप्टिहा खुर्द की चकबंदी निरस्त करने के लिए चकबंदी आयुक्त स्तर से जांच करा कार्यवाही करने का भरोसा दिया। किसान यूनियन के सभी पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से धरना समाप्त कर दिया गया। इस दौरान बलराम तिवारी मंडल अध्यक्ष चित्रकूटधाम, धीरज शर्मा मंडल मीडिया प्रभारी, महेंद्र त्रिपाठी जिला अध्यक्ष, सरोज सिंह महिला मोर्चा, मनोज निगम नगर अध्यक्ष, जग प्रसाद फ़ौजी जिला महासचिव, शैलेंद्र सिंह ब्लाक अध्यक्ष बड़ोखर समेत सैकड़ो की संख्या में पुरुष व महिला किसान मौजूद रहे।

विधायक रुदौली ने भी अयोध्या बीएसए के भ्रष्टाचार की शिकायत महानिदेशक से की

अयोध्या। बीएसए संतोष कुमार राय के शिक्षकों और कर्मचारियों से अभद्रता दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के मामले के गंभीरता से लेते हुए रुदौली विधायक रामचंद्र ने प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा और महानिदेशक से वार्ता कर शिक्षको में समस्याओं से अवगत कराया तथा ऑनलाइन अटेंडेंस को निरस्त करते हुए शिक्षकों की मांगों पर ध्यान देने की बात रखी। विधायक ने कहा कि मानसून सत्र प्रारंभ होने वाला है बीएसए अयोध्या संतोष कुमार राय के कार्यकाल में बीएसए कार्यालय ने होने वाले निर्माण और वित्तीय अनियमितताओं की बात शासन में रखी जायेगी। 2019 में ही नियम विरुद्ध एडेड विद्यालय के शिक्षको के वेतन भुगतान के भ्रष्टाचार में निलम्बित रहने के बाद भी अयोध्या जैसी धर्मनगरी में भ्रष्टाचार करने में संलिप्तता असहनीय है।

विद्यालय जा रहा शिक्षक सड़क हादसे में हुआ घायल, हालत गंभीर

संवाददाता

सोनभद्र। डिजिटलाइजेशन व ऑनलाइन अटेंडेंस की भागादौड़ी एवं खस्ताहाल सड़कों के चपेट में आकर शिक्षक बुरी तरह घायल हो गया। जिले के विकास खण्ड नगवां में विद्यालय जा रहे शिक्षक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे सहयोगी शिक्षकों की मदद से उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर देख उन्हे ट्रॉमा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास खण्ड नगवां के प्राथमिक विद्यालय गड़वां के सहायक अध्यापक सोमित सुबह बाईक से विद्यालय जा रहे थे। रास्ते में पपरहवां के पास खस्ताहाल सड़क पे कीचड़ में बाईक स्लिप करने से बाइक समेत गिर गए। हादसे में उन्हे काफी चोटें आई। सूचना पर पहुंचे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नगवां ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप ने एंबुलेंस को कॉल किया पर काफी देर तक एंबुलेंस मौके पर नही पहुंचा। ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप समेत अन्य शिक्षकों ने एक ऑटो की सहायता से घायल शिक्षक को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर देख उन्हे बेहतर इलाज हेतु ट्रॉमा सेंटर बीएचयू के लिए रवाना कर दिया गया। डॉक्टर ने बताया कि दुर्घटना में उनके कंधे को काफी नुकसान पहुंचा हुआ है। फ्रैक्चर के साथ अन्य इंजरी भी है।

घटना की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिला महामंत्री इंदुप्रकाश सिंह ने हॉस्पिटल पहुंच घायल शिक्षक का हाल जाना। शिक्षक साथी की दुर्घटना पर जिला चिकित्सालय में शिक्षकों का जमावड़ा लगा रहा। घायल शिक्षक की हालत से आक्रोशित महामंत्री इंदुप्रकाश सिंह ने कहा कि हमारे शिक्षक विपरीत मौसम एवं हालातों में भी ससमय विद्यालय पहुंचते हैं।

संक्षिप्त खबरें

भारत एक रणनीतिक साझेदार और अमेरिका सहयोग के लिए तत्पर

वॉशिंगटन। यूक्रेन-रूस संघर्ष पर पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा कि जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है।अमेरिका का रक्षा विभाग आए दिन भारत के साथ अपने संबंधों को सराहाता दिखता है। एक बार फिर पेंटागन ने साफ कर दिया कि भारत एक रणनीतिक सहयोगी है और अमेरिका इस साझेदारी को विकसित करने के लिए तत्पर है।पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने मंगलवार को वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम इस साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं।यूक्रेन-रूस संघर्ष पर राइडर ने कहा,जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है।उन्होंने आगे कहा, अभी हमारा ध्यान यूक्रेन के साथ काम करने पर है ताकि उन्हें अपने देश की रक्षा करने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने क्षेत्र को वापस लेने के लिए जरूरी मदद की जा सके। हालांकि, यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

बाइडन बोले- ट्रंप का दौर अश्वेत अमेरिकियों के लिए नरक

नेवादा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप का राष्ट्रपति काल अश्वेत अमेरिकियों के लिए नरक क्यों था, ये बहुत स्पष्ट है।अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों- डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। नेवादा में एक सभा के दौरान डेमोक्रेट नेता और राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, हमारी राजनीति हिंसा से जुड़ी है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए। आप कौन हैं, आपने क्या किया है, आप क्या करेंगे, यह सब जायज सवाल हैं।बाइडन ने 33वें अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन के एक कथन का जिक्र कर कहा, ट्रूमैन ने कहा था कि मैंने कभी किसी को नरक नहीं दिया। मैंने सिर्फ सच बताया और उन्हें लगा कि यह नरक है।% बकौल बाइडन, इस कथन में वो सच्चाई छिपी है जिससे साफ पता चलता है कि डोनाल्ड ट्रंप का राष्ट्रपति काल अश्वेत अमेरिकियों के लिए नरक क्यों था।अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, इस देश में किसी भी अन्य कारण की तुलना में ज़्यादा बच्चे गोली लगने से मरते हैं, जो चौंकाने वाला है। यह परेशान करने वाला है और अगर हम इसके बारे में कोई ठोस निर्णय नहीं लेते तो यह सरासर कायरता होगी। उन्होंने कहा, अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ़ खड़े होना चाहते हैं, तो अमेरिका की सड़कों से युद्ध वाले इन हथियारों को हटाने में मेरा साथ दें।बकौल बाइडन अपने चार साल के कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने लाखों अश्वेत अमेरिकियों को उनके स्वास्थ्य बीमा से बाहर निकालने के लिए ओबामाकेयर को निरस्त करने की कोशिश की थी।

इमरान की पीटीआईपर बैन की तैयारी

इस्लामाबाद। पीएमएल-एन पार्टी के नेता जावेद लतीफ ने पीटीआई पर पाबंदी लगाने की योजना का विरोध करते हुए कहा कि स्थानीय राजनीतिक दल राष्ट्र और राज्य का समर्थन करते हैं। उन्होंने दलील दी कि जो लोग राज्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक संगठनों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए।पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई को गैरकानूनी घोषित करने की योजना बना रही है। इस बीच, सत्तारूढ़ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को कहा कि सियासी दलों को गैरकानूनी बनाना किसी भी मुद्दे को हल करने का तरीका नहीं है।एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेता जावेद लतीफ ने कहा कि स्थानीय राजनीतिक दल राष्ट्र और राज्य का समर्थन करते हैं। उन्होंने दलील दी कि जो लोग राज्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक संगठनों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाने वाले दलों की पहचान करने और सरकार को कमजोर करने वाली गोपनीय ताकतों को उजागर करने की जरूरत पर जोर दिया।लतीफ ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की तुलना केन्या से की और चेतावनी दी कि राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कमजोर करने से लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई राष्ट्रीय दल या नेता इस तरह के कृत्यों के लिए जवाबदेह हो सकता है। उन्होंने नौ मई की घटना की भी निंदा की।वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला राजनीतिक दलों के साथ बातचीत के बाद किया जाएगा।

अफगानिस्तान में तूफान से 35 लोगों की मौत ,230 लोग घायल

काबुल। अफगानिस्तान में तूफान से कम से कम 35 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 230 लोग घायल हो गए हैं। तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण 400 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं।अफगानिस्तान में मसूलाधार बारिश, ओलावृष्टि के साथ आए तूफान से 35 लोगों की जान चली गई जबकि 230 लोग घायल हो गए हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जलालाबाद शहर और नंगरहार प्रांत के आसपास के इलाकों में 400 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं।सूचना एवं संस्कृति विभाग ने सोमवार को नंगरहार के कई जिलों में हुई जानमाल की हानि की पुष्टि की है। सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित समुदायों के पुनर्वास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।तेज बारिश और ओलावृष्टि से हुई तबाही प्रभावित लोगों के दर्द को कम करने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए ठोस राहत उपायों की लगातार कोशिश की जा रही है।प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक लगभग चार सौ घर नष्ट हो गए हैं। जिसमें निवासियों और व्यवसायों को काफी वित्तीय नुकसान हुआ हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।अफगानी मीडिया के मुताबिक अधिकारी यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हर जरूरतमंद को वह सहायता मिले जिसकी उन्हें जरूरत है। बचाव और पुनर्प्राप्ति प्रयास जारी हैं, और प्रभावित परिवारों और समुदायों के लिए एकता और समर्थन पर जोर दिया जा रहा है।

पाकिस्तान में खदान ढहने से 3 कोयला खनिकों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान में कोयला खदान ढहने से हादसा हो गया। जिसमें 3 कोयला खनिकों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए हैं।उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक कोयला खदान ढह जाने से तीन कोयला खनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना पेशावर से 35 किमी दक्षिणपश्चिम में दर्रा एडम खेल शहर में हुई।अधिकारियों ने बताया कि खनिक खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के शांगला जिले के रहने वाले थे। घटना के तुरंत बाद ही आपातकालीन बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। तीनों श्रमिकों के शवों को बाहर निकाल लिया गया है। जबकि चारों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।घटना पर दुख व्यक्त करते हुए केपीके के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायल खनिकों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की।

बैंकॉक के लग्जरी होटल में छह की संदिग्ध मौत

बैंकॉक। बैंकॉक में मंगलवार को एक लग्जरी होटल के कमरे में छह लोग मृत पाए गए। पुलिस अधिकारियों को शक है कि इन लोगों को जहर दिया गया होगा।थाईलैंड के राजधानी शहर बैंकॉक में मंगलवार को एक लग्जरी होटल के कमरे में छह लोग मृत पाए गए। पुलिस अधिकारियों को शक है कि इन लोगों को जहर दिया गया होगा। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह खबर दी है।थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने कहा कि मृतकों में से दो वियतनामी मूल के अमेरिकी हैं। जबकि चार वियतनामी नागरिक हैं। खबर के मुताबिक, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के मुख्य जांचकर्ता मेजर जनरल थीरादेज थुमसुथी ने बताया कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं हैं।उन्होंने बताया कि घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में यह माना जा रहा है कि उन्हें जहर दिया गया था।

पृथ्वी पर तेजी से गहरा रहा तिहरा संकट

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी

यूएन। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ्तार और अनिश्चितता के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।वैश्विक स्तर पर मौजूदा दौर में ऐसे आठ महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिनसे पृथ्वी पर मंडराते तिहरे संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कचरा) के गहराने की गति तेज हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) की एक नई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष साझा किया गया है।मानव गतिविधियों की वजह से प्राकृतिक जगत का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, कृत्रिम बुद्धिमता

(एआई) जैसी टैक्नॉलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है।वैश्विक अग्रदृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं, जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है।इन उभरते हुए संकटों के बावजूद, रिपोर्ट बताती है कि बेहतर समाधानों व उपकरणों को साथ लेकर चलना, भावी व्यवधानों को समझने और उनसे निपटने की तैयारी करने का सर्वोत्तम तरीक़ा है।अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद के प्रमुख पीटर ग्लुकमैन ने कहा, अग्रदृष्टि औजारों के एक उपयोगी पुलिन्दे को प्रदान करती है, ताकि अल्पकालिक समझ से बाहर निकल, भावी अवसरों व जोखिमों को चिह्नित किया जा सके और इसे वास्तव में बहुलतापूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए।इन बहुलवादी तौर-तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए अनेक सिफरिशों को पेश किया गया है, जिनमें एक नए सामाजिक अनुबंध को अपनाया जाना भी है, ताकि विविध हितधारकों के साथ संपर्क व बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके। इनमें आदिवासी जन को शामिल करना, युवजन को अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान करना और सकल घरेलू उत्पाद से आगे बढ़ करके प्रगति के लिए उपायों को फिर से सोचना भी हैं।यूनेप प्रमुख ऐंडरसन ने कहा कि बदलाव के इन संकेतकों की निगरानी और अग्रदृष्टि तौर-तरीकों के इस्तेमाल के जरिये, दुनिया अतीत की गलतियों को दोहराने से बच सकती है। साथ ही, ऐसे समाधानों पर ध्यान केन्द्रित किया जा सकता है, जिनसे भावी व्यवधानों का पुख्ता ढंग से सामना किया जा सके।

18 संकेतकों की पहचान

इन आठ बड़े बदलावों के साथ-साथ इस रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है, जिन्हें वैश्विक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय व हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। ये संकेतक भविष्य में संभावित व्यवधानों के प्रति सचेत करते हैं, ताकि दुनिया इनसे निपटने के लिए पहले से तैयार कर सके।इनमें अति-महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, खनिजों व धातुओं के लिए बढ़ती मांग, गहरे समुद्र और स्ट्रैटोस्फ़ेयर से परे अंतरिक्ष में खनन की योजनाएं हैं। मगर, इन सभी गतिविधियों से प्रकृति व जैवविविधता के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदूषण व कचरा बढ़ सकता है।

कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ़्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।

पर्माफ्रोस्ट पिघल रही

गर्माती जलवायु के कारण 'पर्माफ्रोस्ट', कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह, पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं व मनुष्यों पर असर हुआ है।

इस प्रक्रिया से पुरातन काल से जमे हुए ऐसे जीव बाहर आ रहे हैं, जोकि रोगजनक हो सकते हैं।एक बार पहले ही यह रूस के विशाल साइबेरिया क्षेत्र में एंथ्रैक्स के प्रकोप की वजह बन चुका है। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है।सशस्त्र टकरावों व हिंसा के उभरने, मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर असर के अलावा जबरन विस्थापन मामलों को बदलाव के अहम संकेतम के रूप में चिह्नित किया गया है।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक हुआ प्रदर्शन, छह की मौत

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों का प्रदर्शन मंगलवार को हिंसक हो गया। इसमें तीन छात्रों सहित छह की मौत हो गई। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच मंगलवार को झड़प हुई। इसमें तीन छात्रों सहित छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए।आज सुबह ढाका, चटगांव और रंगपुर में चार मौतें हुईं। बाद में पुलिस और प्रमुख समाचार समूहों ने ढाका और चटगांव में दो और लोगों की मौत की सूचना दी। खबरों के मुताबिक, आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। मंगलवार को इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया। मृतको में कम से कम तीन छात्र शामिल हैं। जबकि करीब 400 अन्य घायल हुए।

सीक्रेट सर्विस अधिकारियों ने ट्रंप की सुरक्षा बढ़ाई

ईरान से मिली धमकी के बाद फैसला

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के सीक्रेट सर्विस अधिकारियों ने डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा बढ़ा दी है। रिपब्लिकन नेता और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से मिली धमकियों के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान से मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि देश की संघीय जांच एजेंसी ट्रंप पर फायरिंग मामले की जांच कर रही है।

इसी बीच सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों के हवाले से आई खबर में बताया कि पेन्सिलवेनिया में गोली लगने की घटना के बाद ट्रंप की सुरक्षा का खास बंदोबस्त किया जा रहा है। हालांकि, फिलहाल ईरान से मिली धमकियों और शनिवार को उन्हें गोली मारे जाने की घटनाओं के बीच कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है।

रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया जोशीला भाषण

एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

एजेंसी

वॉशिंगटन। रामास्वामी ने कहा कि अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें।रिपब्लिकन कन्वेंशन में बुधवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं।

विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है।

रामास्वामी ने कहा कि अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत

हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है।विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की। विवेक रामास्वामी के भाषण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि बहुत अच्छी बात कही। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत सोमवार से हुई थी।

विवेक रामास्वामी का जबरदस्त भाषण

रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार

विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन। नौ हफ्ते तक चली सुनवाई के बाद अभियोजकों ने बॉब मेनेंडेज के खिलाफ सबूत पेश किए। जिनमें दावा किया गया कि न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सांसद बॉब मेनेंडेज ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार दिया गया है। मेनेंडेज पर अपने पद के गलत इस्तेमाल और उद्योगपतियों को गलत फायदा पहुंचाने के एवज में रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है। न्यूयॉर्क सिटी की एक संघीय अदालत ने बॉब मेनेंडेज को दोषी करार दिया।नौ हफ्ते तक चली सुनवाई के बाद अभियोजकों ने बॉब मेनेंडेज के खिलाफ सबूत पेश किए।

जिनमें दावा किया गया कि न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सांसद बॉब मेनेंडेज ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही अपने सहयोगियों को आपराधिक जांच से बचाया और अपने सहयोगियों और अपनी पत्नी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया। बॉब मेनेंडेज पर मिस्त्र के खुफिया विभाग के अधिकारियों से मिलने के भी आरोप लगे थे। आरोप था कि बॉब मेनेंडेज ने मिस्त्र को अमेरिका से करोड़ों डॉलर की सैन्य मदद दिलाने में मदद की। इसके चलते मेनेंडेज पर विदेशी एजेंट होने के भी आरोप लगे थे।बॉब मेनेंडेज पर विदेशी सरकारों और व्यापारिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के एवज में सोने की छड़ें, एक मर्सिडीज कार और लाखों डॉलर नकद स्वीकार करने का आरोप था। बॉब मेनेंडेज कभी अमेरिकी संसद की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष थे और अमेरिकी संसद के वरिष्ठ सांसदों में उनका शुमार होता है।

कमला हैरिस हो सकती हैं अमेरिका की राष्ट्रपति!

बाइडन ने सियासी गलियारों में चल रही चर्चाओं को दी हवा

एजेंसी

वॉशिंगटन। माना जाता है कि अगर बाइडन इस्तीफा देने का फैसला करते हैं, तो हैरिस ही उनकी जगह लेने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में होंगी। हालांकि, बाइडन ने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि वह चुनाव से बाहर होने की योजना बना रहे हैं।अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। एक तरफ रिपब्लिकन ने अपने उम्मीदवार के रूप में डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा है। वहीं डेमोक्रेट्स ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया है। ऐसे में फिलहाल जो बाइडन और कमला हैरिस के नाम को लेकर संदेह बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट

में सामने आया है कि पार्टी के भीतर बाइडन को हटाने की मांग चल रही है। इस बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद कुछ ऐसा कह दिया कि सियासी गलियारों में हलचल पैदा हो गई है।राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, अगर बाइडन हट जाते हैं, तो हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे स्पष्ट उम्मीदवार होंगी। हालांकि, बाइडन प्रशासन में अपनी भूमिका नहीं बना पाने के लिए अक्सर उनकी आलोचना की जाती रही है। माना जाता है कि अगर बाइडन इस्तीफा देने का फैसला करते हैं, तो हैरिस ही उनकी जगह लेने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में होंगी।

हटाने की मांग

बाइडन ने एनएएसीपी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन सकती हैं। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्हें चुनाव की दौड़ से हटाने को लेकर लगातार मांग चल रही है।

81 साल के डेमोक्रेट्स नेता ने मजे लेते हुए कहा, वह न केवल एक अच्छी उपराष्ट्रपति ही हैं, बल्कि अमेरिका की राष्ट्रपति भी हो सकती हैं।

भारत में नेपाल के राजदूत को फिलहाल दिल्ली में ही रहने का आदेश

काठमांडू। भारत में नेपाल के राजदूत के कार्यकाल को कुछ दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। नेपाल में सत्ता समीकरण बदलने पर पिछली सरकार ने भारत समेत 11 देशों के राजदूतों को पद से बर्खास्त कर दिया था।नेपाल सरकार ने भारत में रहे अपने राजदूत डा शंकर शर्मा की बर्खास्तगी के फैसले पर रोक लगा दी है। नेपाल की पिछली प्रचण्ड सरकार ने उन्हें पद से हटाते हुए दूसरे राजदूत की नियुक्ति कर दी थी। इस बीच देश में सत्ता समीकरण बदलने के साथ ही ओली सरकार ने दिल्ली में अपने राजदूत को अगले आदेश तक वहीं रहने को कहा है। नेपाल की विदेश मंत्री डा आरजू राणा देउवा के प्रस्ताव के बाद कैबिनेट बैठक में नए राजदूत की नियुक्ति के फैसले को वापस लेने और पुराने राजदूत डा शर्मा को तुरंत प्रभाव से दिल्ली में ही बने रहने का आदेश दिया गया है।अगले आदेश तक अपने पद पर बने रहने को कहा गया है।

बंदूक संस्कृति के खिलाफ बाइडन

अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की।अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुख्य उम्मीदवार माने जा रहे हैं। पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने अमेरिका में बंदूक संस्कृति को लेकर एक बड़ा बयान दिया। बाइडन ने कहा

कि अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। उन्होंने यह बयान लास वेगस में एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में बुधवार को दिया।एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से अमेरिका की सड़कों से हथियार हटाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी आलोचना की। बाइडन ने कहा, ÷अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है।

बाइडन ने ट्रंप की नीतियों की आलोचना

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया।

उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। ऐसा करने से अमीर और बड़े निगम को बहुत लाख हुआ। यह किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल में संघीय टैक्स में भारी वृद्धि है।

ओमान के तट पर तेल टैंकर पलटने से चालक दल के 16 सदस्य लापता

ओमान। ओमान के तट पर सोमवार को एक तेल टैंकर के पलटने के बाद 13 भारतीयों सहित 16 लोगों का चालक दल लापता हो गया। इस दल में अन्य तीन सदस्य श्रीलंकाई थे।ओमान के तट पर सोमवार को एक तेल टैंकर के पलटने से 16 लोगों का चालक दल लापता हो गया। इस चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई शामिल थे। देश के समुद्री सुरक्षा केंद्र (एमएससी) ने यह जानकारी दी।एमएससी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कोमोरोस के झंडे वाला तेल टैंकर बंदरगाह शहर डुकुम के पास रास मद्रका के 25 समुद्री मील दक्षिण पूर्व में पलट गया।डुकुम का बंदरगाह ओमान के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित है, जो ओमान की प्रमुख तेल और गैस खनन परियोजनाओं के पास है।जो ओमान की सबसे बड़ी आर्थिक परियोजना और डुकुम के विशाल औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा है।

एक हमलावर ढेर, एके-47 राइफल के साथ एक अन्य गिरफ्तार

एजेंसी

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के पास ही पुलिस ने एक हथियारबंद व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है।

आरोपी एके-47 राइफल के साथ मास्क पहने हुए पकड़ा गया। आरोपी के पास से एक बैग भी बरामद किया गया है, जिसमें से कारतूस की एक पूरी मैगजीन भी मिली है।अमेरिका के मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास पुलिस ने एक व्यक्ति को ढेर कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस व्यक्ति को पुलिसकर्मियों ने गोलियों का निशाना बनाया, वह चाकू लेकर झगड़ा कर रहा था। जिस पर पांच पुलिसकर्मियों ने उसे गोली मार दी। गौरतलब है कि मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद हैं।

ट्रंप पर हाल ही में जानलेवा हमला हुआ था, जिसके बाद रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अश्वेत था मारा गया व्यक्ति

मारा गया व्यक्ति एक बेसहारा अश्वेत व्यक्ति था। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 43 वर्षीय सैमुअल शार्पे के रूप में हुई है। वह दोनों हाथों में चाकू पकड़े हुए था और विंस्कोसिन में हो रहे रिपब्लिकन कन्वेंशन स्थल के नजदीक एक निहत्थे व्यक्ति पर हमला करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान पुलिस ने शार्पे पर गोली चला दी। घटनास्थल से दो चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने दूसरे व्यक्ति की जान बचाने के लिए शार्पे पर गोली चलाई। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की।

यूरोपीय शहर बुडापेस्ट में वेकेशन एन्जॉय कर रहीं रवीना टंडन व राशा थडानी

एक्ट्रेस रवीना टंडन अपनी एक्टिंग और स्टाइलिश अंदाज से लाखों लोगों के दिलों पर आज भी राज करती हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं और अपनी और अपने परिवार के साथ खूबसूरत तस्वीर शेयर करती रहती हैं। इन दिनों वह अपनी बेटी राशा थडानी के साथ हंगरी के बुडापेस्ट में वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं, जिनकी तस्वीर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। रवीना ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के साथ यूरोपीय शहर के खूबसूरत नजारों के बीच पोज देती हुई कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में रवीना ऑलिव ग्रीन को-ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं, और राशा ब्लैक जिपर और मैचिंग जॉगर्स के साथ व्हाइट क्रॉप टॉप में दिखाई दे रही हैं। दोनों ने बालों को खुला छोड़ा है और नो मेकअप लुक को चुना है। दूसरी तस्वीर में मां-बेटी की जोड़ी क्लोज फ्रेंड्स के साथ सेल्फी लेती दिखाई दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में बुडापेस्ट का खूबसूरत नजारा है। चौथी तस्वीर में राशा और उनके दोस्त दिखाई दे रहे हैं। अन्य तस्वीरों में बुडापेस्ट की खूबसूरती और मां-बेटी के बीच का बॉन्ड साफदेखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रवीना ने कैप्शन में लिखा, ऑल इन ए डेज वर्क! हैशटैग बुडापेस्ट। इस पोस्ट पर एक्ट्रेस के फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, आप 49 साल की उम्र में भी

बहुत खूबसूरत लग रही हैं... रविना ने अनिल थडानी से 22 फरवरी 2004 को उदयपुर में शादी है। कपल के दो बच्चे हैं - बेटी राशा और बेटा रणबीर वर्धन। अनिल थडानी मोशन पिक्चर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी एए फिल्म्स के डायरेक्टर हैं। फिल्म स्टंप्ड के दौरान अनिल की मुलाकात रवीना टंडन से हुई। इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस ने बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो रवीना ने मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की और इस दौरान मॉडलिंग भी शुरू किया। उन्होंने अपने करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। रवीना ने 1991 की सलमान खान की एक्शन फिल्म पत्थर के फूल से एक्टिंग की शुरुआत की। उसके बाद से उन्होंने दिलवाले, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, मोहरा, जिद्दी, लाडला, बड़े मियां छोटे मियां, दुल्हे राजा और अनाड़ी नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों में काम किया है।

हाल ही में, वह कन्नड़ फिल्म केजीएफचौप्टर 2 में नजर आई, जिसे प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया। होम्बले फिल्म्स के बैनर तले विजय किरागंदूर ने इसका निर्माण किया। इसमें यश, संजय दत्त, श्रीनिधि शेट्टी और प्रकाश राज लीड रोल में नजर आए। वह विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित और अरबाज खान द्वारा निर्मित कानूनी ड्रामा फिल्म श्पटना

रवीना ने मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की और इस दौरान मॉडलिंग भी शुरू किया। उन्होंने अपने करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है

शुक्ला में भी नजर आई। यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। रवीना जल्द ही वेलकम टू द जंगल और घुड़चढ़ी में नजर आएंगी।

जाकिर खान की जुबानी, गली के लड़के से लेकर आपके दिलों का चहेता बनने तक का सफर

भारत में स्टैंडअप कॉमेडी को पहचान दिलाने वाले जाकिर खान सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में उनके शोज फुल होते हैं। वह अपनी पंचलाइन श्सख्त लौंडाश् से काफी पॉपुलर हुए। जाकिर अब आपका अपना जाकिर शो से टीवी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने गली के लड़के से लेकर सबके दिलों का चहेता बनने तक के अपने सफर पर बात की। स्टैंडअप कॉमेडियन के साथ-साथ जाकिर खान एक्टर भी हैं। वह हाल ही में वेब सीरीज चाचा विधायक हैं हमारे के तीसरे सीजन में नजर आए थे। अब वह आपका अपना जाकिर के साथ बतौर होस्ट टीवी पर डेब्यू कर रहे हैं।

इसे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर जल्द ही टेलीकास्ट किया जाएगा। टीजर में जाकिर का एक कटआउट नजर आ रहा है, इसको ढेर सारी फूलों की माला पहनाई हुई है। इसे देख दो लड़के आपस में बात करते हैं। इस बीच आवाज आती है-2024 में आएगा तो जाकिर हीश, यह सुनकर लड़का अपने दोस्त से पूछता है- जाकिर? कौन जाकिर बे? जवाब देते हुए उसका दोस्त कहता है-आपका अपना जाकिर भैया.. यह सुनकर वह खुश हो जाता है और फिर दोनों बोलते हैं- हम देखेंगे.... इस नए अध्याय के बारे में बात करते हुए जाकिर ने कहा, गली के लड़के से लेकर सबके दिलों का चहेता बनने तक का मेरा सफर शानदार रहा।

आज भी, हर पल नया लगता है। मेरे फैंस ने मेरे हुनर को पहचानने और जाकिरिज्म के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली है, वह शानदार है। उन्होंने कहा, मेरा सपना हमेशा से ही लाइफ एक्सपीरियंस के साथ-साथ खुशियां बांटना रहा है। अब आपका अपना जाकिर के साथ, मैं देश भर के कई घरों में खुशियां लाने के लिए रोमांचित हूं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा... मम्मी, मैं टीवी पर आ रहा हूं। यह शो 10 अगस्त से सोनी पर प्रसारित होगा। इसमें अमृता खानविलकर और अल्का अमीन भी हैं।

जाकिर ने 2012 में कॉमेडी सेंट्रल के शो इंडियाज बेस्ट स्टैंड अप का खिताब हासिल किया और रातोंरात फेमस हो गए।

वह न्यूज कॉमेडी शो ऑन एयर विद एआईबी का हिस्सा रहे। वह रेडियो शो का भी निर्माण कर चुके हैं। उन्हें साल 2017 में मशहूर कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज में बतौर मेंटर हिस्सा लेने का मौका मिला। उन्होंने प्राइम वीडियो पर चार घंटे लंबे स्टैंडअप स्पेशलरू हक से सिंगल, कक्षा ग्यारहवीं, तथास्तु और मनपसंद जारी किए हैं। उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी शो कॉमिकस्तान में जज की भूमिका भी निभाई।

फ्लाइट में अपना ही शो देख रहे कपिल शर्मा ने शेयर किया वीडियो

अपनी मजेदार बातों से सबको हंसने के लिए मजबूर करने वाले स्टैंड-अप कॉमेडियन कपिल शर्मा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्हें कॉमेडी का किंग कहा जाता है। वह कॉमेडियन होने के साथ, होस्ट, एक्टर, प्रोड्यूसर और डबिंग आर्टिस्ट भी हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। उन्होंने शनिवार को अपने इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट की झलक साझा, जिसमें उन्होंने खुद के शो द कपिल शर्मा शो को एंजॉय किया। कपिल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक छोटा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फ्लाइट में स्क्रीन पर द कपिल शर्मा शो को देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपने ट्रेवल डेस्टिनेशन का खुलासा नहीं किया और न ही वीडियो को कोई कैप्शन दिया है।

बता दें कि जून में, द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मेकर्स ने सेलिब्रिटी कॉमेडी चौट शो के दूसरे सीजन की घोषणा की थी। पिछले सीजन में सुपरस्टार आमिर खान, रणबीर कपूर और उनका परिवार, क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर, इंटरनेशनल पॉप आइकन एड शीरन, और फिनाले एपिसोड में कार्तिक आर्यन जैसे स्टार्स शामिल हुए थे, जो फिनाले एपिसोड में दिखाई दिए थे।

इस शो में सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर ने भी परफॉर्म किया। अर्चना पूरन स्थायी गेस्ट हैं। कपिल का जन्म 2 अप्रैल 1981 को अमृतसर में हुआ

था। बचपन से ही उन्हें स्टेज शोज और मिमिक्री का शौक था। साल 2007 में कपिल ने कॉमेडी रियलिटी टीवी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज जीतकर लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद उन्होंने 2010 में कॉमेडी सर्कस में हिस्सा लिया। कपिल ने 2013 में अपना खुद का शो कॉमेडी नाइट्स विद कपिल लॉन्च किया और 2016 में द कपिल शर्मा शो शुरू किया, जो काफी हिट रहा। शो में बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार्स गेस्ट बनकर आए। टीवी शोज के अलावा, कपिल ने फिल्मों में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने 2015 में अब्बास मस्तान की फिल्म किस किसको प्यार करूं से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद फिल्म फिरंगी में भी नजर आए। उन्होंने नंदिता दास की फिल्म श्ज्वगाटोश् में एक फूड डिलीवरी ब्वॉय की भूमिका निभाई। उन्हें पिछली बार राजेश ए कृष्णन द्वारा निर्देशित और निधि मेहरा तथा मेहुल सूरी द्वारा लिखित कॉमेडी फिल्म करू में देखा गया था। इसमें करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन लीड रोल में थीं।

जेनेलिया देशमुख ने अनूठे अंदाज में अपने जिम ट्रेनर को कहा हैप्पी बर्थडे

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपने ट्रेनर डैन माइल्स को जन्मदिन की बधाई खास अंदाज में दी। जेनेलिया देशमुख ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में जिम वर्कआउट और वजन घटाने के सफर को दर्शाती थ्रोबैक वीडियो पोस्ट की। थ्रोबैक वीडियो में जेनेलिया ने दिखाया कि ट्रेनिंग के पहले हफ्ते में उनका वजन 59.4 किलोग्राम था, जो दूसरे हफ्ते में घटकर 58.2 और तीसरे हफ्ते में 57.2 किलोग्राम रह गया। वीडियो के कैप्शन में जेनेलिया देशमुख ने लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं डैन माइल्स।

फिटनेस को मेरे लिए इतना महत्वपूर्ण बनाने वाले व्यक्ति होने के लिए आपका धन्यवाद। आशा है कि आपका दिन बेहद खास होगा। जेनेलिया और उनके एक्टर पति रितेश देशमुख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। दिन प्रति दिन का अपडेट और हंसी मजाक से भरे रील्स फैंस के बीच काफी पॉपुलर है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी एक फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने गाल पर अपना हाथ रखा हुआ था और तीन आर वाला मेंहदी टैटू फ्लॉन्ट किया था।

टैटू के साथ हार्टबीट लाइन भी थी। जिसका सीधा कनेक्शन पति रितेश देशमुख और दो बेटों रियान और राहिल से है। जेनेलिया और रितेश देशमुख कई सालों की डेटिंग के बाद 3 फरवरी 2012 को शादी के बंधन में बंधे थे। उन्होंने मराठी परंपराओं के अनुसार हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया था फिर अगले दिन एक चर्च में ईसाई रीति-रिवाज से शादी की थी।

सरफिरा फ्लॉप, इंडियन 2 का भी निकला दम, अक्षय-कमल की फिल्मों के 11वें दिन का कलेक्शन शॉकिंग

अक्षय कुमार स्टार 'सरफिरा' और कमल हासन की 'इंडियन 2' का बॉक्स ऑफिस पर क्लैश हुआ था. दोनों ही फिल्मो को रिलीज हुए 11 दिन हो चुके हैं और इनकी हालत बेहद बुरी है. खासतौर पर सुधीर कोंगरा की डायरेक्शनल 'सरफिरा' ने रिलीज से पहले तो काफी दम दिखाया लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद ये फुस्की बम साबित हुई. हालांकि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में तेजी भी आई लेकिन फिर ये बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई वहीं कमल हासन की 'इंडियन 2' की शुरुआत तो जबरदस्त रही लेकिन फिर दूसरे दिन से ही फिल्म की रफ्तार कम होती चली गई. अब दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर घिसट घिसट कर आगे बढ़ रही हैं. चलिए यहां जानते हैं 'सरफिरा' और 'इंडियन 2' ने रिलीज के 11वें दिन कितना कारोबार किया है?

'सरफिरा' ने रिलीज के 11वें दिन कितनी कमाई की?:

पिछले तीन सालों से बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार के करियर की गाड़ी पटरी से उतरी हुई है. एक्टर की आखिरी हिट फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई सूर्यवंशी थी इसके बाद अक्षय की ओएमजी 2 को छोड़कर बैक टू बैक 8 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी हैं. इस साल रिलीज हुई एक्टर की 350 करोड़ी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां तो बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई. वहीं हाल ही में अक्षय की 'सरफिरा' रिलीज हुई थी. इस फिल्म में एक्टर के काम की खूब तारीफ हो रही है लेकिन बॉक्स ऑफिस इसकी बैंड बजी हुई है और इसी के साथ ये फिल्म भी फ्लॉप साबित हो चुकी है।

फिल्म की कमाई की बात करें तो 'सरफिरा' ने

2.5 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद फिल्म के पहले हफ्ते की कमाई 18.75 करोड़ रही. वहीं

अब ये दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और जहां सेकंड फाइडे फिल्म ने 40 लाख कमाए तो दूसरे शनिवार फिल्म ने 85 लाख और दूसरे संडे को 1.2 करोड़ की कमाई की. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 11वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'सरफिरा' ने रिलीज के 11वें दिन महज 25 लाख रुपये कमाए हैं। इसके बाद 'सरफिरा' की 11 दिनों की कुल कमाई अब 21.45 करोड़ रुपये हो गई है।

'इंडियन 2' ने रिलीज के 11वें दिन कितना किया कलेक्शन?

कमल हासन स्टारर 'इंडियन 2' एक्टर की 1996 की रिलीज 'इंडियन' की सीक्वल है. 'इंडियन 2' का रिलीज से पहले काफी बज था. फिल्म की एडवांस बुकिंग देखते हुए कहा जा रहा था कि ये बॉक्स ऑफिस पर कमाई के रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी. हालांकि फिल्म की रिलीज के बाद 'इंडियन 2' को क्रिटिक्स से निगेटिव रिव्यू मिला. फिल्म ने ओपनिंग तो अच्छी की लेकिन फिर दूसरे दिन से इसकी कमाई का ग्राफ गिरता चला गया. फिल्म का रिलीज के 11 दिनो में बॉक्स ऑफिस पर दम निकलता हुआ नजर आ रही है। 'इंडियन 2' की कमाई की बात करें तो फिल्म ने 25.6 करोड़ से ओपनिंग की थी. पहले हफ्ते में फिल्म ने 70.4 करोड़ कमाए थे. वहीं दूसरे हफ्ते के सेकंड फाइडे फिल्म ने 1.3 करोड़, दूसरे शनिवार 1.88 करोड़ और दूसरे रविवार 2.07 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं अब फिल्म की रिलीज के 11वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'इंडियन 2' ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार को 1.16 करोड़ का कलेक्शन किया है इसी के साथ 'इंडियन 2' का 11 दिनों का कुल कलेक्शन अब 76.81 करोड़ रुपये हो गया है। कल्कि और बैड न्यूज के आगे फुस्स हुईं 'इंडियन 2' और 'सरफिरा' इस समय बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल की बैड न्यूज जबरदस्त कमाई कर रही है. फिल्म ने रिलीज के चार दिनों में 32 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. वहीं प्रभास की कल्कि 2898 एडी भी रिलीज के 26 दिनों से बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है. इन दोनों फिल्मों के आगे सरफिरा और इंडियन 2 बेदम साबित हो रही है।

100 करोड़ के बजट में बनी सरफिरा की कमाई की रफ्तार देखते हुए तो ये लग रहा है कि ये 25 से 30 करोड़ ही लाइफटाइम कलेक्शन ही कर पाएगी. वहीं 'इंडियन 2' के लिए 100 करोड़ का आंकड़ा छूना मुश्किल लग रहा है।

मानसून में बढ़ जाती है फूड पॉइजनिंग, हाथों को बार-बार धोएं

मानसून के मौसम में फूड पॉइजनिंग की बढ़ती संभावना एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या है। यह वक्त गर्मी से बारिशों तक का है, जब खाद्य सुरक्षा को बनाए रखना अधिक मुश्किल होता है। मानसून के दौरान बढ़ती हुमीडिटी, भिगोने वाले और भिगो रहे मौसम, और खाद्य पदार्थों के संचयन और प्रसंस्करण की कठिनाई के कारण, बैक्टीरिया और अन्य कीटाणुओं का विकास तेजी से होता है। इस अवस्था में, अप्रत्याशित भोजन, अस्वच्छता, और गलत संचयन के कारण खाद्य संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। इस समस्या से बचाव के लिए, स्वच्छता बनाए रखना, खाद्य पदार्थों को अच्छे से पकाना, शुद्ध पानी का उपयोग करना, और खाद्य संचयन के नियमों का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इन सावधानियों का पालन करने से खाद्य संक्रमण की संभावना को कम किया जा सकता है और व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है।

इस वजह से होती है ये समस्या

नमी: मानसून के मौसम में वातावरण बहुत ही गीला और नमी भरा होता है, जिससे भोजन पदार्थों पर बैक्टीरिया और फंगस का विकास तेजी से होता है।

पानी का प्रदूषण: भारी बारिश से पानी के स्रोतों में प्रदूषण हो सकता है, जो खाद्य पदार्थों को प्रभावित कर सकता है। प्रदूषित पानी का उपयोग भोजन की तैयारी में या सीधे सेवन में खाद्य संक्रमण का कारण बन सकता है।

अच्छी स्वच्छता और हाथों का धोना: बारिश के कारण किचन और खाद्य संभालने के स्थानों में अच्छी स्वच्छता बनाए रखना मुश्किल हो सकता है, जिससे बैक्टीरिया का प्रसार बढ़ सकता है।

अच्छी स्वास्थ्य देखभाल लक्षण पेट दर्द

उल्टी उबकाई दस्त बुखार सिरदर्द थकावट बचाव 1. स्वच्छता खाने के तैयारी में स्वच्छता बरतें, हाथों को बार-बार धोएं।

2. सही प्रकार से पकाना भोजन को अच्छे से पकाएं, विशेष रूप से मांस, अंडे और समुद्री खाद्य पदार्थों को।

3. शुद्ध पानी प्राकृतिक और शुद्ध पानी का उपयोग करें, खाने के लिए उपयुक्त बिलकुल साफ पानी का उपयोग करें।

4. ठंडा संचयन खाद्य पदार्थों को सही तरीके से संचित करें, फ्रिज में रखें जब तक वे उपयोग हों।

5. बच्चों और अन्य पदार्थों से दूर रहें अनावश्यक संपर्क से बचें, जैसे कि अनाज, खाद्य उत्पादों, या अन्य संक्रमित वस्तुओं से।

6. बचाव में अपने अस्पताल जाएं एक बार अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

स्लिम और फिट रहने के लिए इस रूटीन का करें पालन!

आज कल पतले रहना बेहद मुश्किल है लेकिन

समस्या से बचाव के लिए, स्वच्छता बनाए रखना, खाद्य पदार्थों को अच्छे से पकाना, शुद्ध पानी का उपयोग करना, और खाद्य संचयन के नियमों का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है

अगर आप चाहते हैं कि आप स्लिम और फिट रहें तो उसके लिए आपको स्वस्थ रूटीन का पालन करना चाहिए। यहां हमने कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं जिन्हें आप भी अपनी जीवनशैली में जरूर अपनाएं -

1. प्रातःकाल की व्यायाम

रोजाना सुबह उठकर कम से कम 30-45 मिनट की व्यायाम करें। यह दौड़ना, योग या गहरी श्वासायाम हो सकती है।

2. समय पर नाश्ता

सुबह का नाश्ता समय पर करें, जिसमें प्रोटीन और फाइबर युक्त आहार शामिल हो।

3. पानी पिएं

दिन भर में नियमित अंतरालों में पानी पिएं, कम से कम 8-10 गिलास।

4. फल और सब्जी खाएं

अपने भोजन में फल और सब्जियों को शामिल करें, जो कम कैलोरी वाले और पौष्टिक हों।

5. संतुलित भोजन

मीठे और तली हुई चीजें को कम करें, और उचित मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और फैट्स लें।

6. रात का भोजन

रात का भोजन हल्का होना चाहिए, और खाने के बाद अधिक से अधिक दो घंटे का विश्राम लें।

7. नियमित व्यायाम

हफ्ते में कम से कम 5 दिन व्यायाम करें, जैसे चलना, जिम या योगा।

इस रूटीन को अपनाकर आप स्वस्थ और फिट रह सकते हैं।